विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 117 | गौतमबुद्धनगर, बुधवार 27 मार्च 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

नोएडा में होली पर किए 12 हजार 284 चालान

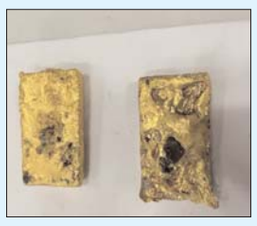

P- 4

लखनऊ एयरपोर्ट पर कूड़े में 66 लाख का सोना, बैंकॉक की फ्लाइट से

P- 5

सिंगापुर पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर ने रणनीतिक साझेदारी पर की चर्चा

P- 6

खेल मंत्रालय ने बजरंग पूनिया को विीय सहायता को मंजूरी दी

हैप्पी मॉर्निंग

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं
बंता- अबे तो डरता क्यों है?
संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं
बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले 10 वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

शायरी

बुलंदी देर तक किस शख़्स के हिस्से में रहती है
बहुत ऊँची इमारत हर घड़ी खतरे में रहती है

अर्थसार

सेंसेक्स:
72,470.30
-361.64 (0.50%)
निफ्टी:
22,004.70
-92.05

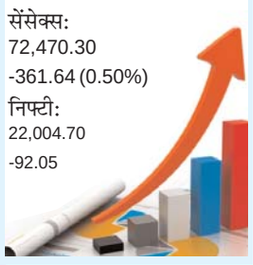

मौसम

अधिकतम : 35 डिग्री से0
न्यूनतम : 23 डिग्री से0
सूयोदय बुधवार : 6 : 27
सूर्यास्त मंगलवार : 6 : 40

सोनम वांगचुक ने 21वें दिन अनशन तोड़ा

- बोले- आंदोलन खत्म नहीं हुआ, अब महिलाएं भूख हड़ताल करेंगी; लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने की मांग

लेह। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मंगलवार (26 मार्च) को 21वें दिन अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। वे लद्दाख के लोगों की मांगों को लेकर 6 मार्च से अनशन पर थे। भूख हड़ताल खत्म करने के बाद सोनम वांगचुक ने कहा- ये आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। कल से महिलाएं भूख हड़ताल करेंगी। अपनी मांगों को लेकर हमें जब तक आंदोलन करना पड़े, हम करेंगे। सोनम वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने, स्थानीय लोगों के लिए नौकरी में आरक्षण, लेह और कारगिल के लिए एक-एक संसदीय सीट और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

वांगचुक बोले- पीएम मोदी चुनावी वादे पूरे करें

इससे पहले मंगलवार सुबह वांगचुक ने एक वीडियो मैसेज जारी किया था।
इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपने चुनावी वादे पूरे करने की अपील की थी। वांगचुक ने कहा था- पीएम मोदी भगवान राम के भक्त हैं। उन्हें राम की प्राण जाए पर वचन न जाए शिक्षा का पालन करना चाहिए।

आर्टिकल 370 हटने के बाद शुरू हुआ आंदोलन

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बना। लेह और कारगिल को मिलाकर लद्दाख अलग केंद्र शासित प्रदेश बना था। इसके बाद लेह और कारगिल के लोग खुद को राजनीतिक तौर पर बेदखल महसूस करने लगे। उन्होंने केंद्र के खिलाफ आवाज उठाई। बीते दो साल में लोगों ने कई बार विरोध-प्रदर्शन कर पूर्ण राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा मांगते रहे हैं, जिससे उनकी जमीन, नौकरियां और अलग पहचान बनी रही, जो आर्टिकल 370 के तहत उन्हें मिलता था।

सत्ता में आते ही रोजगार क्रांति लाएंगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर युवा न्याय के तहत सबके लिए अवसर उपलब्ध कराके देश में रोजगार क्रांति लाई जाएगी। गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी जी, क्या आपके पास रोज़गार के लिये कोई योजना थी भी। यही सवाल आज हर युवा की ज़ुबान पर है। गली-गली, गांव गांव भाजपा वालों से पूछा जा रहा है - आखिर हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का झूठ क्यों बोला गया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने युवा न्याय के तहत रोज़गार क्रांति का संकल्प लिया है। हमारी गारंटी है कि हम सरकार में आते ही -30 लाख सरकारी पदों को भरेंगे। हर शिक्षित युवा को 'पहली नौकरी पक्की' योजना के तहत 1 लाख रुपए सालाना की नौकरी देंगे। कानून बना कर पेपर लीक से मुक्ति दिलाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, यह वक्त दो विचारधाराओं की नीतियों के फर्क को पहचानने का है। कांग्रेस युवाओं का भविष्य बनाना चाहती है और भाजपा उन्हें भटकाना।

केजरीवाल की हो रिहाई...

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कई वर्कर्स हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे आम आदमी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। एक कार्यकर्ता पीएम आवास का घेराव करने निकले थे। पुलिस ने पीएम आवास के आसपास धारा 144 लागू की है।

इधर, भाजपा कार्यकर्ता केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली सचिवालय की तरफ जा रहे कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ दी। उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेव समेत कई भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने डिटेन कर लिया।

शराब नीति घोटाला मामले में केजरीवाल को 21 मार्च को उनके

आवास से गिरफ्तार किया गया था। वे 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में हैं। केजरीवाल श्रेष्ठ कस्टडी से सरकार चला रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने दूसरा सरकारी आदेश जारी किया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिए कि मोहल्ला क्लिनिक में गरीबों के लिए दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। लोगों को मुफ्त जांच और दवाई मुहैया कराई जाए। केजरीवाल ने 24 मार्च को जल मंत्रालय के नाम पहला सरकारी आदेश जारी किया था। उन्होंने जल मंत्री आतिशी को निर्देश दिया था कि दिल्ली में जहां पानी की कमी है, वहां टैंकरों का इंतजाम करें। उन्होंने कोर्ट में पेशी के समय कहा था कि वे इस्तीफा नहीं देंगे, जरूरत पड़ी तो जेल से सरकार चलाएंगे।

ईडी बोली- केजरीवाल के पास कोई डिवाइस नहीं, फिर ऑर्डर कैसे पास किया

ईडी कस्टडी से केजरीवाल सरकारी आदेश कैसे दे रहे हैं, इसे लेकर ईडी जांच कर रही है।
ईडी सूत्रों का कहना है कि उनके पास न ही कोई पेपर मिला और न ही कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे कंप्यूटर या फोन, तो फिर उन्होंने कैसे कोई ऑर्डर पास कर दिया? ये जांच का विषय है। ईडी के सीनियर अफसरों की टीम जल्द ही रिपोर्ट तैयार करेगी।
ईडी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या मुख्यमंत्री के सहयोगियों और कर्मचारियों के मोबाइल फोन फॉर्मेट किए गए थे या पॉलिसी खत्म होने के तुरंत बाद गायब कर दिए गए थे।

भाजपा कैंडिडेट कंगना पर आपत्तिजनक पोस्ट का विवाद बढ़ा

एनसीडब्लू का ईसी को लेटर, लिखा-कांग्रेस नेताओं का रवैया असहनीय; केंद्रीय रेलमंत्री ने भी शिकायत की

शिमला। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के बाद गुजरात किसान कांग्रेस के नेता एचएस अहीर ने सोशल मीडिया अकाउंट से मंडी से भाजपा कैंडिडेट और एक्ट्रेस कंगना रनोट को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया। जिसके जवाब में कंगना ने कहा कि एक महिला को उसकी आइडियोलॉजी के हिसाब से टिकट मिला तो इसमें गलत क्या? अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने भारतीय इलेक्शन कमीशन

को पत्र लिखकर सुप्रिया श्रीनेत और एचएस अहीर पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, अका एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में दिल्ली में ECI कार्यालय पहुंचा। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, ओम पाठक और डॉ. संजय मयूख भी मौजूद रहे। इन नेताओं ने चुनाव आयोग से मांग की कि कंगना पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

अब जानिए कांग्रेस नेताओं की पोस्ट

दरअसल, 24 मार्च (रविवार) की शाम को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने पांचवीं लिस्ट जारी की। इसमें एक्ट्रेस कंगना रनोट का नाम भी है। वह हिमाचल की मंडी से चुनाव लड़ेंगी। इसके एक दिन बाद सुप्रिया के इंस्टाग्राम पर कंगना को लेकर एक पोस्ट की गई, क्या भाव चल रहा है मंडी में कोई बताएगा।
वहीं इसके साथ एचएस अहीर ने भी एक्स पर आपत्तिजनक शब्दावली इस्तेमाल की।

सड़क हादसा | मरने वालों में पति-पत्नी, नानी-दोहिती; रिश्तेदार से मिलने आए थे

बस-कार में टक्कर, परिवार के 4 लोगों की हुई मौत

श्रीगंगानगर। रोडवेज बस और कार की आमने-सामने की टक्कर में पति-पत्नी और नानी-दोहिती की मौत हो गई। कार सवार परिवार के लोग रिश्तेदार से मिलने आए थे। हादसा श्रीगंगानगर के पदमपुर में चूनावढ़ के पास मंगलवार दोपहर 12 बजे हुआ। एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।
जानकारी के मुताबिक हादसे में पंजाब के सूरजवीर सिंह (30), उसकी पत्नी मनदीप कौर (28), मां कुलदीप कौर (55) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अस्पताल ले जाते समय सूरजवीर की 1 साल की भांजी वाणी की भी मौत हो गई। सूरजवीर की बहन मनवीर कौर की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका श्रीगंगानगर के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है।

टक्कर से कार के परखच्चे उड़े

रोडवेज बस श्रीगंगानगर से घड़साना आ रही थी। दोपहर करीब 12 बजे यह बस गांव चूनावढ़ के नजदीक भगवानसर ढाणी के पास पहुंची थी। इसी दौरान सामने से आ रही कार से टकरा गई। टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए।

टक्कर से हुआ तेज धमाका

हादसा इतना जोरदार था कि बस-कार में टक्कर से तेज धमाके की आवाज

हुई। कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और सभी लोग इसमें फंस गए।
आसपास के लोगों ने इन्हें संभाला। उन्होंने चूनावढ़ पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में बस में सवार 5 यात्रियों को भी मामूली चोट आई, वहीं बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

रिश्तेदार से मिलने आए थे

सूरजवीर सिंह मूल रूप से पंजाब के मोगा जिले के बाघापुराना थाना क्षेत्र के गांव नत्थूवाला गरबा का रहने वाला था।
वह पत्नी मनदीप कौर, मां कुलदीप कौर और बहन मनवीर कौर और मनवीर की बेटी वाणी के साथ पंजाब से कार में पदमपुर आया था। वह यहां अपने किसी परिचित से मिलने के बाद मंगलवार को लौट रहा था। इस दौरान घड़साना से श्रीगंगानगर की तरफ आ रही रोडवेज बस ने कार को चपेट में ले लिया।

कनाडा की रहने वाली थी 1 साल की वाणी

मृतकों में 1 साल की वाणी कनाडा की रहने वाली थी। हादसे के बाद शाम करीब 5 बजे श्रीगंगानगर पहुंचे मृतक के चाचा सुखविंदर सिंह ने बताया कि सूरजवीर, उसकी पत्नी मनदीप कौर और मां कुलदीप कौर पंजाब में ही रहते थे।
सूरजवीर की बहन मनवीर कौर कनाडा रहती है। उसके साथ उसकी 1 साल की बेटी वाणी थी, जिसकी हादसे में मौत हो गई।

भाजपा ने दिल्ली को पुलिस राज्य में तब्दील कर दिया : 'आप'

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने दिल्ली को एक पुलिस राज्य में बदल दिया जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।
राय आज यहां पत्रकारों से, पूरी दिल्ली में लोकतांत्रिक तरीके से कोई प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है।
पार्टी के कार्यालय को बार -बार सील करने की कोशिश की जा रही है। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ कि कार्यालय को सील किया गया हो। यहां पर शांतिपूर्वक कार्यालय को संचालित किया जा रहा है। बार-बार पुलिस के द्वारा बैरिकेट लगाया जा रहा है यह समझ के परे है।
उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर दिल्ली वालों में जो गुस्सा है उसका केंद्र सरकार को जवाब देना होगा। पुलिस बैरिकेट लगाकर भाजपा के नेता पीछे नहीं छुप सकते हैं।
तानाशाही का जो विस्तार किया जा रहा जनता उसके खिलाफ लड़ेगी और हम भी लड़ेंगे।
केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे 'आप' के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। कार्यकर्ता प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने निकले थे।

मेडिकल कारोबारी ने दादी और दो बेटों की हत्या की

पत्नी के चरित्र पर शक के चलते किया मर्डर, गुमराह करने के लिए घर में लगाता था आग

सादुलपुर/चूरू। लगातार तीन मौत और फिर बार-बार रहस्यमयी तरीके से आग लगने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को चौंकाने वाला खुलासा किया है। पत्नी के चरित्र पर शक के चलते मेडिकल कारोबारी ने अपने दो बच्चों और दादी की जहर देकर हत्या कर दी थी। मामले को जादू-टोने का रंग देने के लिए खुद ही सोडियम की मदद से घर में आग लगाता रहा। इसके बाद घर में तांत्रिक भी बुला लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला चूरू जिले के हमीरवास के गांव भेंसली का है।
एसपी जय यादव ने बताया कि भूप

सिंह (33) को ट्रिपल मर्डर के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा- भूपसिंह के घर में 1 फरवरी को उसकी दादी किस्तूरी (82) की उल्टी होने से मौत हो गई। घर वालों और ग्रामीणों ने इसे सामान्य मौत समझा और अंतिम संस्कार कर दिया। 13 दिन बाद 13 फरवरी को भूपसिंह के बेटे गर्वित को उल्टी हुई, परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर गए, तब तक उसकी मौत हो गई। किसी ने अचानक हुई इस मौत पर ध्यान नहीं दिया। कम उम्र के कारण अंतिम संस्कार के तहत बच्चे का शव दफना दिया। इसके बाद 28 फरवरी को भूपसिंह के बड़े बेटे अनुराग को भी उल्टी हुई और उसकी भी मौत हो गई। परिजनों ने उसका दाह संस्कार कर दिया।
एक ही घर में लगातार अचानक तीन मौतों के बाद अब परिजनों और गांव वालों में जादू-टोने की चर्चा शुरू हो गई।

पटवारी ने रिश्वत में लिए आईफोन-स्मार्ट-वॉच और विदेशी जूते

खन्ना। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मंगलवार को पूर्वी लुधियाना के एक पटवारी को लाखों की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस पटवारी ने रिश्वत में बर्थडे पार्टी, स्मार्ट वॉच, आईफोन और शॉपिंग की। साथ करीब 27 लाख रुपए कैश भी लिया। इतने सब के बाद भी पटवारी ने पीड़ित का काम नहीं किया। पीड़ित के साथ धोखाधड़ी करने और रिश्वत लेने पर विजिलेंस ने पीरू बंदा में तैनात पटवारी गुरविंदर सिंह को पकड़ लिया है।
भ्रष्टाचार के इस मामले में पटवारी के भाई बलविंदर सिंह और पिता परमजीत सिंह के साथ उसके एजेंट निक्कू पर भी रिश्वत लेने की साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। विजिलेंस ने यह मामला बठिंडा जिले के रामपुरा फूल के बब्बू तनवर द्वारा दर्ज कराई शिकायत के आधार पर दर्ज किया। आरोपी पटवारी ने बस स्टैंड लुधियाना के पास स्थित बब्बू के पिता की संपत्ति के इंतकाल को मंजूरी देने के लिए 40 हजार रुपए रिश्वत ली। पटवारी और उसके एजेंट निक्कू ने दो पीड़ित से आईफोन, स्मार्ट वॉच के साथ-साथ 3 लाख रुपए के पाकिस्तानी जूते खरीदने के लिए पैसे लिए।

भ्रष्ट योजना : चुनावी बॉन्ड योजना

चुनावी बॉन्ड के खरीदारों व चंदा-दाताओं के मिलान से सांठगांठ, भ्रष्टाचार उजागर हुआ

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा डेटा की आखिरी किस्त जारी किये जाने के बाद, अब उस चुनावी वित्तपोषण की तकरीबन पूरी तस्वीर हासिल करना संभव हो गया है जो पहले एक गुप्त जरिया हुआ करता था।

एसबीआई को कॉरपोरेट व व्यक्तिगत चंदा-दाताओं द्वारा खरीदे गये और बाद में राजनीतिक दलों द्वारा भुनाये गये चुनावी बॉन्डों के लिए विशिष्ट संख्याओं (यूनिक नंबरों) का डेटा जारी करना पड़ा। इस डेटा (पहले दिया गया डेटा चंदा-दाताओं और दलों को आपस में जोड़ सकने वाली विशिष्ट संख्याओं के बगैर था) को जारी कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट को एसबीआई को दो बार कोंचना पड़ा। यह बैंक के रवैये पर उंगली उठाता है जिसने शुरू में यह सूचना जारी करने के लिए 30 जून, 2024 तक, यानी आम चुनाव के बाद की मोहलत मांगी थी।

दूसरी तरफ, बॉन्ड खरीदने वाली कंपनियों और उन्हें भुनाने वाले दलों से जुड़ी सूचना के दो सेटों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए एक सरल डेटा-मिलान करने में समाचार संगठनों को बस चंद घंटे लगे। डेटा पर एक सरसरी नजर डालने से ही उस दलील की व्यर्थता जाहिर होती है जो केंद्र सरकार ने चुनावी बॉन्डों की गोपनीयता की जरूरत के लिए पेश की थी, लेकिन जिसे शीर्ष अदालत ने दृढ़ता से खारिज कर दिया।

कुछ राजनीतिक दलों को बड़े चंदे दिये जाने और बॉन्ड खरीदारों को बुनियादी ढांचे के भारी राशि वाले ठेके मिलने के बीच एक स्पष्ट सह-संबंध नजर आता है। कुछ मामलों में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या आयकर विभाग द्वारा जांच या कार्रवाई का सामना कर रहे प्रतिष्ठानों (एंटिटीज) और बाद में इन प्रतिष्ठानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा बॉन्ड खरीदे जाने के बीच एक मजबूत सह-संबंध है। खासतौर पर, ऐसे कई चंदा-दाताओं द्वारा खरीदे गये बॉन्ड बाद में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा भुनाये गये।

शीर्ष 19 फर्मों (दिये गये चंदों की संचयी राशि के आधार पर) ने 2019 के मध्य से फरवरी 2024 तक (इस अवधि में 22 फर्मों ने 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक के चंदे दिये), अन्य दलों के साथ-साथ, भाजपा को निरपवाद रूप से चंदा दिया।

यह बताता है कि इन बॉन्डों का इस्तेमाल सत्ता प्रतिष्ठान की कृपा पाने के एक उपकरण की तरह किया गया। इन बॉन्डों के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या की एसबीआई के हाथों में मौजूदगी (जिससे उसके लिए लेन-देन की ऑडिट ट्रेल रखना संभव हो सकता था) और वित्त मंत्रालय द्वारा कुछ बॉन्डों को उनकी मियाद (खरीद के 15 दिन के भीतर) खत्म होने के बाद भुनाये जाने की इजाजत दिये जाने ने यह दिखाया कि इस योजना ने सत्तारूढ़ दल के लिए अनुचित फायदे की स्थिति पैदा की थी।

यह साफ है कि इन बॉन्डों ने चुनाव अभियान और दलीय वित्तपोषण को सत्तारूढ़ दल के पक्ष में बहुत ज्यादा झुका दिया था। साथ ही, इसने चंदा देने की अनैतिक प्रेरणाओं पर भी पर्दा डाले रखा था।

अब यह सिविल सोसाइटी पर निर्भर है कि वह मतदाताओं को इस योजना की असलियत के बारे में बताये और चंदों के एकांगीपन को लेकर सवाल खड़े करे। यह व्यवस्था को साफ-सुथरा करने की दिशा में बस पहला कदम होगा।

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं।

गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी।

हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई।

आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि

उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है।

उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया।

कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है।

चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है।

भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है।

नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। नेताओं के गलत, बेबुनियाद एवं तथ्यहीन बयानों कर सत्यता को जाने बिना उन पर विश्वास कर मतदाता लोकतंत्र को कमजोर करता है। भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता। जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति, क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता।

विशेषत: दक्षिण भारत की राजनीति में भाषा को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। तमिलनाडु के नेता इसी भाषाई आग्रह के साथ कब और क्या बोल दें, यह कोई नहीं जानता। इससे समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे ही कुछ मामलों की चर्चा आज भी होती है। इसी कड़ी में चुनाव प्रचार के दौरान एक नेता की टिप्पणी चर्चा का विषय बनी हुई है। इस तरह के बयानों से बना बनाया खेल बिगड़ जाता है और निजी छवि भी धूमिल हो जाती है।

फिर अगर आप बड़े पद पर हैं और आपको हजारों लोग फॉलो करते हैं तो भाषा संयम और मर्यादा अत्यंत जरूरी हो जाती है। द्रविड़ राजनीति में गाहे-बगाहे ऐसे अवसर आते रहते हैं जब मंच से नेता वाहवाही बटोरने के लिए ऐसा कुछ कह जाते हैं, जिससे न केवल उनकी बल्कि पार्टी की भी फजीहत होती है। एक वर्ग को खुश करने की चाह में और अपने आला नेता की चाटुकारिता में बिना सोचे समझे बोलने के गंभीर परिणाम होते हैं। हकीकत यह है कि यह प्रवृत्ति पूरे देश में बढ़ रही है। कौन सा नेता कब वाणी का संयम खो दे, कहा नहीं जा सकता।

टाईम पास

पंजाब में नशे बढ़ता का कारोबार

मुख्यमंत्री के शहर में भी जहरीली शराब का 'काला धंधा'

नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। नकली शराब के धंधे में अक्सर देखा जाता है कि इसे चलाने वालों की पुलिस से सांठगांठ होती है।

पंजाब में नशे के कारोबार पर नकेल कसना लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा मुद्दा था। आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि अगर वह सरकार में आएगी, तो इस धंधे पर पूरी तरह रोक लगा देगी। मगर अभी तक इस दिशा में कोई कामयाबी नजर नहीं आ रही। ताजा मामला यह है कि मुख्यमंत्री के जिले संगरूर में जहरीली शराब पीने से इक्कीस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों का इलाज चल रहा है।

राज्य में काफी समय से नशे की वजह से जारी है मौतों का सिलसिला

इसे लेकर यह प्रश्न लोगों की जेहन में अटक गया है कि जब मुख्यमंत्री के जिले में जहरीली शराब के धंधे और मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक नहीं लग पाई है, तो बाकी जगहों पर क्या स्थिति होगी। पंजाब में काफी समय से नशे की वजह से हो रही नौजवानों की मौतों को लेकर चिंता जताई जाती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण वहां पाकिस्तान के रास्ते मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक लगाना भी कठिन बना हुआ है। ऐसे में अगर जहरीली शराब से मौतों का नया मामला आया है, तो उसे लेकर स्वाभाविक ही नए सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि प्रशासन ने छह लोगों को गिरफ्तार कर इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

नकली शराब का कारोबार कमोबेश हर राज्य की समस्या है। चोरी-छिपे शराब बनाने और बेचने वाले हर कहीं मौजूद हैं, मगर जो सरकारें सचमुच इस समस्या से पार पाने को लेकर संजीदा होती हैं, वे ऐसे कारोबारियों पर नकेल कसने में कामयाब ही देखी जाती हैं। पंजाब की तुलना दूसरे राज्यों से फिलहाल इसलिए नहीं की जा सकती, क्योंकि वहां नशे पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। वहां नशे के कारोबार के फलने-फूलने की वजहें भी अब काफी हद तक साफ हैं। उसमें अनेक रसूखदार लोगों और बड़े अधिकारियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं।

इस तरह माना जा सकता है कि वहां का प्रशासन इस समस्या को लेकर सतर्क है। फिर यह समझना मुश्किल है कि संगरूर में किस तरह नकली शराब बनाई जा रही थी और प्रशासन को इसकी भनक तब मिल सकी, जब जहरीली शराब पीकर लोग मरने लगे। इस तरह के धंधे स्थानीय लोगों की जानकारी से बाहर नहीं होते। फिर स्थानीय लोगों से पुलिस का तालमेल ठीक हो, तो उसे भी इस तरह के धंधे की जानकारी मिल ही जाती है। मगर नकली शराब के धंधे में अक्सर देखा जाता है कि इसे चलाने वालों की पुलिस से सांठगांठ होती है। संगरूर में भी ऐसी किसी गठजोड़ से इनकार नहीं किया जा सकता। नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। उनका संकट कुछ मुआवजा देकर दूर नहीं किया जा सकता। इसलिए हमेशा से नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की सिफारिश की जाती रही है। मगर सरकारों और प्रशासन की लापरवाही का नतीजा यह निकलता है कि हर घटना के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार तो कर लिया जाता है, पर उन्हें ऐसी कोई सजा नहीं मिल पाती, जो दूसरों के लिए नजीर बने। इसलिए भी जहरीली शराब के कारोबारियों पर शिकंजा कसना मुश्किल बना हुआ है। पंजाब सरकार इस सच्चाई से अनजान नहीं है।

काकुरो पहेली - 3133

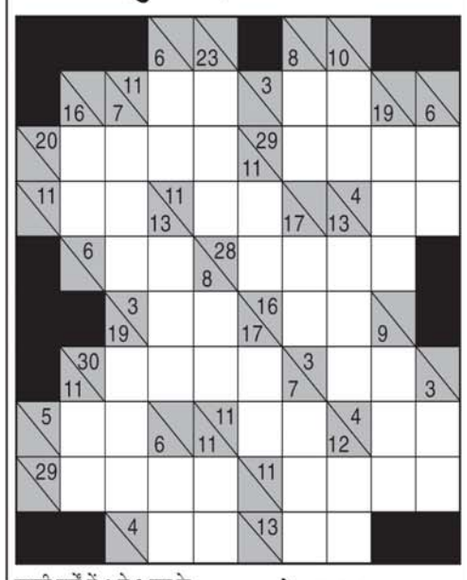

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

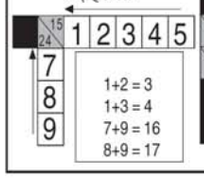

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3132 का हल

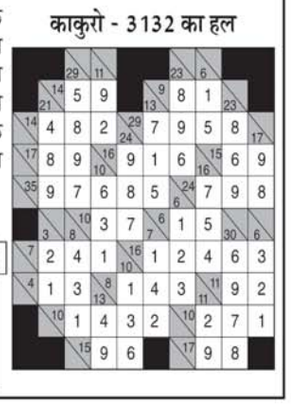

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3133

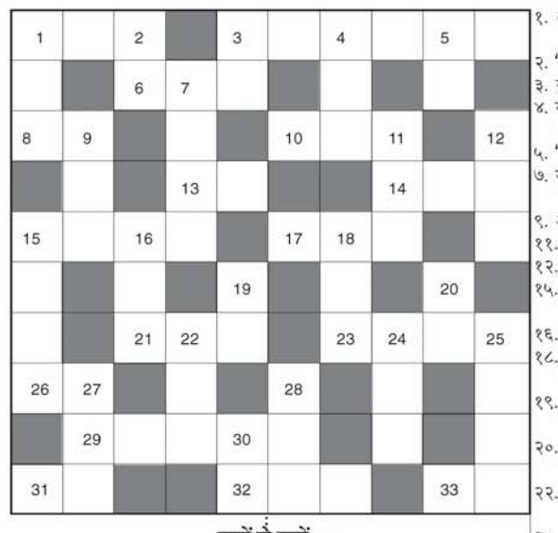

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3132

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	श		
ल	व	स्टे	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	त्र	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		ग		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
मी			स	न	म			यु	वा

सूडोकु -3133

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3132 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3133

बाएँ से दाएँ

1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3132 का हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न	
बे		ल		ह	न	र		क		स
ई	मा	न		लु		व		र	स	म
मा				हा	ज	रि				क
न	क	ब	ज	न		श	य	न	क	क्ष
	म		र			की		हा		
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना
प				म	लि	न				स
ग	श	न		व		ख		स	ला	म
ध		हा		त	ग	जू		गे		झ
	स	ना	त	न		र	ज	पा	ट	

नोएडा में सिटी सेंटर मैदान में अग्निकांड

15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, 225 बार लगा चुकी चक्कर, गड्ढों में भरे कूड़े में बार-बार आग लग रही

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-32 सिटी सेंटर के पास खाली मैदान में आग लग गई। इस मैदान के लेवल को बराबर करने के लिए इसे कूड़े से पाटा गया था। यहां बड़े-बड़े गड्ढों में कूड़ा भरकर उसे पाटा गया था। इन्ही गढ्ढों में आग लगी। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक 15 गाड़ियां 225 बार चक्कर लगा चुकी है। आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस आग की वजह से आस-पास में रहने वाले लोग भी काफी परेशान हो गए हैं। जनता को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार शाम 7 बजे से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। रात में आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन अब तक कूड़ा सुलग रहा है। यहां से धुआं उठ रहा है। इससे

आस-पास के लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

पूरी तरीके से काबू करने में लग सकता है समय

सीएफओ प्रदीप चौबे का कहना है कि नोएडा की टीम मौके पर है। अभी तक करीब 15 से ज्यादा गाड़ियां 225 बार चक्कर लगा चुकी है। लगातार आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। कूड़ा होने की वजह से एक स्थान पर बुझाते है, दूसरे स्थान पर चिंगारी उठ जाती है। इसलिए गड्ढों के अंदर तक पानी का छिड़काव किया जा रहा है। ताकि आग को पूरी तरह से बुझाया जा सके।

आग बुझाने में लग सकते है दो दिन

इस आग को बुझाने में दो दिन और लग सकते है। दरअसल यहां गढ्ढों में हार्टिकल्चर का वेस्ट डाला जाता है। इसी वेस्ट में आग लगी है। तेज हवा चलने से एक बार आग बुझाने के बाद चिनगारी से दोबारा यहां आग पकड़ रही है। इसलिए बार बार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

सात जेसीबी और पानी के टैंकर मंगवाए गए

आग को बुझाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से यहां सात जेसीबी लगाए गए है। इनकी मदद से गढ्ढों को खोदा जा रहा है। ताकि आग को अंदर से बुझाया जा सके। इसके अलावा पानी के टैंकर लगाए गए है। सीएफओ ने बताया कि ये आग लगाई गई है। क्योंकि पिछले साल भी इसी समय लग लगी थी और उसे बुझाने मे करीब एक सप्ताह का समय लग गया था।

इन सेक्टर वासियों को हो रही दिक्कत

सिटी सेंटर के पास सेक्टर- 34, 35, 25,जलवायु विहार सेक्टर-41,50 के अलावा और कई सेक्टर है। धुंआ इतना ज्यादा है कि यहां खड़े तक दूभर है। वेस्ट होने की वजह से धुंआ घरों के अंदर जा रहा है। इससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

दोस्तों ने युवक को उठाकर होलिका में फेंका, दोनों पैर झुलसे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में होली पर हुड़दंगियों की हुडंग देखने को मिली, जहां कुछ दोस्तों ने अपने ही दोस्त को उठाकर होलिका की गर्म राख में फेंक दिया। यह पूरी घटना सोसाइटी में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।

पूरा मामला बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी गैलेक्सी वन सोसाइटी का है, जहां होली मनाते हुए चार दोस्तों ने अपने एक दोस्त को हुड़दंग करते हुए होलिका में फेंक दिया। सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई, जिसमें साफ दिख रहा है कि सोसाइटी में सभी लोग इकट्ठा होकर होली खेल रहे हैं और होली का जमकर जश्न मनाया जा रहा है। इसी दौरान कुछ दोस्त एक युवक को गोदी में उठाते हैं और उसके बाद होलिका दहन की गर्म राख के ऊपर उसको गिरा देते हैं, नीचे गिरते ही युवक जैसे तैसे खुद को बचाते हुए गर्म राख से निकलकर भागता है। इस हादसे में उस युवक के दोनों पैर नीचे से राख से झुलस जाते हैं।

पीड़ित पक्ष ने नहीं की शिकायत

होलिका दहन के अवसर पर दहन की गई होली की राख सुबह तक ठंडी नहीं हुई थी और दोपहर में जब यह लोग होली खेल रहे थे तो उन दोस्तों ने युवक को उठाकर उसमें फेंक दिया। हालांकि इस मामले में पुलिस से कोई भी शिकायत नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित से भी पुलिस ने संपर्क किया, लेकिन उन्होंने कोई शिकायत नहीं दी। बताया जा रहा है कि यह केवल मजाक में किया गया था, लड़के को होलिका में फेंकने वाले दोस्तों को भी नहीं पता था कि वह रख गर्म है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अगर कोई शिकायत इस मामले में मिलती है तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

शार्ट न्यूज

मकान कब्जाने से रोकने पर दंपति को पीटा

नोएडा। निठारी गांव स्थित मकान पर अवैध रूप से कब्जा करने का विरोध करने पर आरोपियों ने दंपति के साथ मारपीट की। वे पीड़ित के घर से नगदी और गहने समेत अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत सेक्टर-20 पुलिस से की है।निठारी गांव निवासी पूनम ने बताया कि उसके पड़ोस में आपराधिक प्रवृत्ति के गिरवर और ब्रिजेश रहते हैं। आरोप है कि ये लोग उसके घर पर कब्जा करना चाहते हैं। कुछ दिन पहले आरोपियों ने पीड़िता के घर पर कब्जा करने का प्रयास किया था। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़िता और उसके पति के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। यही नहीं, 18 मार्च को आरोपियों के साथ कपिल और क्रिस अपने हाथ में डंडा, लोहे का सरिया और रॉड लेकर आ गए। चारों ने पूनम और उसके पति सोनू पर जानलेवा हमला कर दिया। महिला का आरोप कि आरोपियों ने उसके पति के गले की चेन, मोबाइल और जेब में रखे 10 हजार रुपये भी लूट लिए। इस मामले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

फलों पर थूक लगाने वाले विक्रेता के खिलाफ केस

ग्रेटर नोएडा। थूक लगाकर फल साफ करने वाले विक्रेता के खिलाफ सेक्टर बीटा-2 कोतवाली में केस दर्ज हुआ है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर तीन दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक फल विक्रेता थूक लगाकर फल साफ करता दिखाई दे रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को देखकर लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई थी। अब इस मामले में भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ने सेक्टर बीटा-2 कोतवाली में फल विक्रेता इरफान खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। बताया जा रहा है कि आरोपी इरफान खान ऐच्छर बाजार में अपनी ठेली लगता है। भाजपा नेता का आरोप है कि सड़क पर ठेली लगाने से यहां जाम की स्थिति भी बनी रहती है। ऐसे में पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मोदीनगर। मोदीनगर एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गृह क्लेश के चलते आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना मोदीपोन कॉलोनी की है। मेरठ की मुरलीपुर मुडाली निवासी 42 वर्षीय सोहित तोमर अपनी पत्नी ज्योति व दो बच्चों के साथ रहते थे। वह मेडिकल क्षेत्र में काम करते थे। काफी समय से वह परिवार के साथ मोदीनगर की मोदीपोन कॉलोनी में रहत है। सुबह जब ज्योति की आंख खुली तो पति को बेड पर नहीं पाया। इसके बाद वह कमरे से बाहर टीनशेड में आई। वह पर अपने पति को लटका देखकर चीख निकल गई। इसके महिला ने पड़ोस में रहने वाले अपने भाई सुमित को फोन किया। मौके पर पहुंचे सुमित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि टीनशेड की लोहे की रेलिंग से लटककर आत्महत्या की गई है। एसीपी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। गृह क्लेश के चलते आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। शव के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

घरेलू सहायिका को बंधक बनाकर पिटाई

गाजियाबाद। वसुंधरा के सेक्टर 9 के जनसत्ता अपार्टमेंट में एक साल से घरेलू सहायिका को बंधक बनाकर पीटने और प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। दिल्ली की एक संस्था ने नाबालिग को मुक्त कराकर फ्लैट मालकिन पर मुकदमा कराया है। इंदिरापुरम पुलिस ने नाबालिग को मेडिकल के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अरशद मेहंदी ने शिकायत दी कि सोमवार को अपार्टमेंट के एक फ्लैट में 17 साल की घरेलू सहायिका को एक साल से बंधक बनाने की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची तो वहां पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की 17 साल की नाबालिग मिली। वह काफी डरी हुई थी। नाबालिग का कहना था कि फ्लैट मालकिन उससे सुबह 6:00 से रात 2:00 बजे तक जबरन बर्तन और कपड़े धोने के अलावा अन्य काम कराती थी। बात-बात पर उसे डंडे, चप्पल से बेरहमी से पीटा जाता था। इससे उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी हैं जबकि दोनों हाथ सूज गए हैं। इतना ही नहीं, रविवार रात में भी नाबालिग की बुरी तरह पिटाई की गई।

जनरल वीके सिंह का टिकट काटने का विरोध

गाजियाबाद। गाजियाबाद लोकसभा सीट से भाजपा की ओर से अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाने का अखिल भारतीय क्षत्रिय सभा ने विरोध किया है। भाजपा को 48 घंटे का वक्त देते हुए क्षत्रिय समाज के व्यक्ति को प्रत्याशी न बनाने पर पुरजोर विरोध करने की चेतावनी दी है। अखिल भारतीय क्षत्रिय सभा से सम्बद्ध महाराणा प्रताप स्मृति निर्माण समिति गाजियाबाद के अध्यक्ष वरुण सिंह पुंडीर ने मंगलवार को इस संबंध में एक लेटर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजा है। उन्होंने कहा, एक लंबे वक्त से क्षत्रिय समाज बीजेपी के साथ रीढ़ की हड्डी की तरह बना हुआ है। लोकसभा चुनाव-2024 में सांसद जनरल वीके सिंह को टिकट नहीं दिया गया। क्षत्रिय समाज से पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनिल खेड़ा भी टिकट मांग रहे थे, उन्हें भी दरकिनार कर दिया गया। वरुण पुंडीर ने कहा, क्षत्रिय समाज के किसी भी व्यक्ति को क्षत्रिय बाहुल्य सीट पर टिकट न देकर पार्टी ने समाज को आक्रोशित और आंदोलित किया है। समाज में निराशा है और अपना विरोध जता रहा है। क्षत्रिय समाज भाजपा को 48 घंटे का वक्त देता है।

नमो भारत ट्रेन में महिलाओं ने बनाई रील

भारत की पहली सेमी हाईस्पीड नमो भारत ट्रेन का संचालन हुए अभी 6 माह भी नहीं बीते है कि इसमें भी रील बनाने का चलन शुरू हो गया। नमो भारत ट्रेन मे कुछ महिलाएं हरियाणवी गाने पर थिरक रही हैं। ट्रेन गाजियाबाद से मोदीनगर के बीच दौड़ रही है। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर डालने के बाद सोशल मीडिया यूजर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि नमो भारत ट्रेन के संचालन के बाद से ट्रेन के अंदर रील बनाने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सार्वजनिक जगह और मेट्रो में रील बनाना युवाओं को भारी पड़ जाता है। हाल ही में सड़कों पर रील बनाते युवाओं की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन नमो भारत का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुछ महिलाएं देसी गीत पर डांस कर रही है। वीडियो की पृष्ठभूमि में मेरा ढोल कुएं में लटके से गीत पर कुछ महिलाएं डांस कर रही है। इस दौरान बनाई गई वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर हुआ पथराव

जेवर। बिलासपुर कस्बे में पुरानी रंजिश को लेकर मंगलवार एक ही समुदाय की दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। इस दौरान दोनों तरफ से हुए विवाद में करीब 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोप है की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को के सामने भी आरोपियों ने जमकर बवाल करते हुए एक दूसरे के घर में तोड़फोड़ भी कर दी। जिसके चलते पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के 27 नामजद समेत 67 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। साथ ही कई लोगों को हिरासत में भी पुलिस ने लिया है। बिलासपुर कस्बा निवासी यूनुस के परिवार ने कई वर्ष पहले अपने ही पड़ोस के रहमत पर एक केस दर्ज कराया था। बताया जाता है कि उस केस में आरोपी पक्ष को जल्द ही सजा होने वाली है। जिसको लेकर आरोपी पक्ष ने यूनुस पक्ष के साथ मंगलवार को गाली गलौज कर दी। जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। जहां करीब 30 मिनट तक जमकर पथराव हुआ। सूचना के बाद पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गया। जहां पर आरोपियों ने पुलिस के सामने भी जमकर पथराव किया।

स्कूटी से स्टंट कर रही युवती के खिलाफ एफआईआर

नोएडा। नोएडा में स्कूटी पर दो युवतियों का रंग लगाने का वीडियो वायरल होने के बाद अब एक और वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों वीडियो एक ही इंस्टाग्राम मीडिया से पोस्ट किए गए है। दोनों वीडियो में स्टंट करने वाली युवती और युवक एक ही है। दरअसल नया वीडियो करीब 12 सेकेंड का है। जिसमें एक युवती स्कूटी के पीछे खड़े होकर स्कूटी चालक युवक को रंग लगा रही है। जिसके बाद वो अचानक स्कूटी से गिर जाती है। गनीमत रही कि युवती को चोट नहीं लगी। दोनों वीडियो सोशल मीडिया तेजी से वायरल हो रहे है। लोगों ने पुलिस को टैग कर कार्रवाई की मांग की। डीसीपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि इस तरह से वीडियो वायरल करना और स्टंट करना अपनी जिंदगी को खतरे में डालने जैसा है। थाना सेक्टर-113 में पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही स्कूटी नंबर के आधार पर इनकी तलाश की जा रही है। दोनों वीडियो में वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने स्कूटी मालिक का 33 हजार का चालान किया था। बता दे इसी इंस्टाग्राम मीडिया से मेट्रो में रंग लगाती दोनों युवतियों का भी वीडियो पोस्ट किया गया था। हालांकि मेट्रो ने इस वीडियो में एआई के जरिए एडिट किया हुआ वीडियो बताया गया। फिलहाल डीसीपी ने पब्लिक से अपील की है रोड पर यातायात नियमों का पालन किया जाए ताकि आप और दूसरे लोग सुरक्षित रहे।

नोएडा में होली पर किए 12 हजार 284 चालान

शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए 67; बिना हेलमेट के मिले 8110 लोग

नोएडा। होली का हुडदंग करने वालों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। होली के दिन कुल 12 हजार 284 चालान किए गए। इसमें सबसे ज्यादा चालान बिना हेलमेट के 8110 चालान किए गए।

इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वाले में 67 वाहन चालकों के चालान किए गए। ये चालान 44 स्थानों विशेष अभियान चलाया गया। यहां ब्रेथ एनलाइजर से वाहन चालकों की जांच की गई। इसके अलावा आईएसटीएमएस के जरिए भी वाहनों

पर नजर रखी गई। इस तरह कुल ई चालान 12284 किए गए। इसके अलावा 18 वाहनों को सीज किया गया। स्कूटी में स्टंट करने पर 33 हजार का चालान भी किया गया।

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने बताया कि होली के दिन बिना सीट बेल्ट के 372, तीन सवारी के 906, मोबाइल फोन का प्रयोग के 82,नो-पार्किंग के 402,विपरीत दिशा के 633

ध्वनि प्रदूषण के 79, वायु प्रदूषण के 32, दोषपूर्ण नम्बर प्लेट के 337, रेड लाइट उल्लंघन के 441, बिना डीएल के 172 ,ओवर स्पीड के 306 चालान किए गए। इसके अलावा 412 चालान अन्य मामलों में कुल 18 गाडियों को सीज किया गया ।

नोएडा में सड़क हादसे में बच्चे की मौत

कार ने बाइक में मारी टक्कर, हिरासत में ड्राइवर; घायलों का चल रहा इलाज

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में होली की शाम तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घायल एक शख्स बच्चे का मामा है जबकि एक अन्य रिश्तेदार है।

पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम सेक्टर 62 इंडस वैली चौराहे के पास तेज रफ्तार ब्रेजा कर ने बाइक में टक्कर मार दी। वहां से गुजर रहे लोगों ने कार चालक को पकड़ घटना की सूचना

पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेते हुए तीनों घायलों को नजदीक अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां 7 साल के वंश पुत्र अमरीश निवासी ग्राम बेहरामपुर छिजारसी की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं घायल दोनों लोगों की भी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतक मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि ब्रेजा कार चालक इतनी स्पीड में था कि उसने घटनास्थल पर खड़ी एक वैगनआर कार में भी टक्कर मार दी।

हादसे में वैगनआर कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वैगनआर कार चालक ने भी आरोपी चालक के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक को हिरासत में लेते हुए कार को जब्त कर लिया गया है। घटना में 7 साल के मासूम की मौत हो गई है और दो लोग घायल हुए हैं।

अवैध शस्त्र के साथ तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

नोएडा। बिसरख थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 315 बोर के तीन तमंचे, तीन कारतू, और एक एक बोलेरो पिकअप बरामद की है। जानकारी के अनुसार, रविवार को बिसरख थाना पुलिस लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधारा पर कार्रवाई करते हुए अवैध शस्त्र के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम समीर पुत्र नियाजुद्दीन, गुलजार पुत्र निजाम और यामीन पुत्र युनुस है। पुलिस ने इन्हें वैभव सोसायटी से रेलवे पटरी की ओर 6 प्रतिशत प्लाट एरिया वाले सर्विस रोड पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया है।

नारकोटिक्स सेल ने पकड़े दो गांजा तस्कर

नोएडा। नारकोटिक्स टीम गौतमबुद्धनगर और थाना सेक्टर-126 पुलिस ने संयुक्त रूप से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 56 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है। नारकोटिक्स टीम को लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना मिली की कुछ लोग बड़ी मात्रा में गांजा सप्लाई करने जा रहे है। पुलिस ने जाल बिछाया और सेक्टर-127 पुश्ता रोड के पास चेकिंग बढ़ा दी। यहां पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह और जयदेव गइन पुत्र प्रफुल्ल हुई। इन लोगों ने पुश्ता रोड के किनारे ही मॉल रखा था। दोनों तस्कर नशीले पदार्थ गांजा को बोरों में लेकर पुश्ता रोड पर होली के त्योहार का फायदा उठाकर ओखला की तरफ ले जाने की फिराक में थे। इसमें प्रताप सिंह के कब्जे से बोरे में 34 किलो 200 ग्राम व जयदेव गइन के कब्जे से बोरे में 22 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया। एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि दोनों काफी लंबे से गांजा की तस्करी कर रहे है। ये दोनों एक अंतरराज्यीय गैंग से जुड़े है। इनके साथी गांजा लेकर नोएडा आते है इसके बाद ये दोनों मिलकर नोएडा और दिल्ली एनसीआर के अन्य इलाकों में गांजा तस्करी करते थे। इनके बाकी सदस्यों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एक कॉम्प्लेक्स के दो रेस्टोरेंट में लगी आग

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर अल्फा-2 स्थित कॉम्प्लेक्स में बने दो रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। पहले एक रेस्टोरेंट में आग लगी। बाद में आग ने दूसरे रेस्टोरेंट को भी अपने चपेट में ले लिया। तीसरी मंजिल पर बनी एक लाइब्रेरी को भी आग ने चपेट में ले लिया। सूचना पाकर दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है।पुलिस के मुताबिक सेक्टर अल्फा-2 स्थित केवी मार्ट कॉम्प्लेक्स एक रेस्टोरेंट में सोमवार तड़के आग लगी थी। इसके बाद भीषण आग ने बगल में बने दूसरे रेस्टोरेंट को अपनी चपेट में ले लिया। कॉम्प्लेक्स में दूसरी मंजिल पर बने दोनों रेस्टोरेंट में लगी आग तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। आग ने वहां बनी लाइब्रेरी को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना पर दमकल की एक के बाद एक छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग के मुताबिक गनीमत रही कि घटना के समय दुकानों में कोई मौजूद नहीं था। हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

लापता युवक की हत्या के मामले में छह पर केस दर्ज

नोएडा। लापता युवक की हत्या के मामले में उसकी मां ने छह लोगों को नामजद कर सेक्टर-63 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।सेक्टर-63 थाना प्रभारी ने बताया कि छिजारसी निवासी 22 वर्षीय रितिक 11 मार्च 2024 को घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। उसके पिता की पूर्व में मौत हो चुकी है। काफी तलाश करने के बाद भी जब रितिक नहीं मिला तो उसकी मां शशि ने सेक्टर-63 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। युवक की मां के मुताबिक उसके बेटे रितिक का गांव के ही छह युवकों से 10 मार्च को झगड़ा हुआ था। इनमें रवि, सूरज, धीरज शर्मा, बिन्नी, जोगेंद्र और विकास तिवारी शामिल हैं। आरोप है कि ये लोग उसके पुत्र का अपहरण करके ले गए और कहीं ले जाकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस को युवक के मोबाइल की अंतिम लोकेशन गाजियाबाद में मिली। इसके बाद मोबाइल बंद आने लगा। रितिक के खिलाफ नोएडा और गाजियाबाद के अलग-अलग थाने में 15 से अधिक मुकदमे दर्ज थे।फरीदाबाद पुलिस से बीते बुधवार को सेंट्रल नोएडा पुलिस को सूचना मिली कि वहां के छायसा थाना क्षेत्र स्थित यमुना में एक युवक का शव मिला है, जिसका डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, इसलिए बिसरा प्रिजर्व कर लिया गया है।सूचना पर परिवार के लोगों के साथ पुलिस फरीदाबाद पहुंची। शव की शिनाख्त के बाद सुपुर्दगी में लिया। युवक की मां ने कपड़े से बेटे के शव की पहचान की।

रितिक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि मृतक युवक के परिजनों की शिकायत पर छह युवकों के खिलाफ हत्या की धारा में केस दर्ज किया गया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता के दिशा निर्देशों का सही से अनुपालन करने के निर्देश दिए।

मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कैंप कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव से संबंधित सभी तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कार्मिक एवं प्रशिक्षण, स्वीप, टेन्टेज व्यवस्था, मतदाता सूची सम्बंधी समस्त कार्य, स्ट्रांग रूम, मानचित्रों की तैयारी, लेखन सामग्री, लाजिस्टिक व्यवस्था, मतपत्र व्यवस्था, पोस्टल बैलेट, कानून एवं शान्ति व्यवस्था के साथ मतदान केन्द्रों, मतदेय स्थल की विस्तृत जानकारी ली। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समय से पहले ही सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए और प्रोग्रेस रिपोर्ट प्रतिदिन समक्ष अधिकारी को प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि आचार संहिता का उल्लंघन कराने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाय। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट, मुख्यकोषाधिकारी पुष्पांजलि, जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा बालियान, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुधीर कुमार सहित अन्य प्रभारी और सह प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं के साथ ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा

मोदीनगर। मोदीनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग पर महिलाओं को झांसे में लेकर ठगी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से ठगे गए 7 हजार रुपए की नगदी ,बुलेट व कुंडल बरामद किए है। पकड़े गए बदमाशों ने चार माह के अंदर दो घटनाओं को अंजाम दिया है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एक के बाद एक ठगी की कई घटनाओं को अंजाम दिया गया। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि ठगी करने वाले बदमाश किसी वारदात करने के इरादे से घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरु कर दी। इसी बीच बुलेट सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए। जो पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में बदमाशों ने अपना नाम इम्तियाज व इमरान निवासी गांव पाली थाना कोतवाली बागपत बताया है। पुलिस ने उनके 7 हजार नगदी ,कुंडल व बुलेट बरामद की है। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि 4 माह पहले दिल्ली-मेरठ मार्ग पर डॉ.भीमराव अम्बेड़कर पार्क के सामने से महिला को 10 रुपए की नोट की गड्डी दिखाकर सोने के कुंडल ठग लिए थे।

6 गांव के लोगों ने पंचायत कर चुनाव बहिष्कार का किया ऐलान

जेवर। जेवर के गांव रन्हेरा में मंगलवार को एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण से प्रभावित 6 गांव के ग्रामीणों ने एक पंचायत का आयोजन किया। जिसमे ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण, विस्थापन नीति आदि मांगों पर प्रशासन व जन प्रतिनिधियों द्वारा उनकी उपेक्षा व तानाशाही करने का आरोप लगाते हुए आगामी लोकसभा चुनाव के बहिष्कार करने का ऐलान किया। पंचायत की अध्यक्षता ठा. गणपत सिंह सूबेदार ने

की गांव रन्हेरा में मंगलवार को एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण से प्रभावित गांव रन्हेरा, थोरा, नीमका, नगला हुकम सिंह, नगला जहानु व कुरैव के ग्रामीण पहुंचे। पंचायत में ग्रामीणों ने कहा कि एयरपोर्ट के लिये की जा रहे भूमि अधिग्रहण, विस्थापन व अपनी मूलभूत सुविधाओं आदि मांगों को लेकर ग्रामीण पिछले दो वर्षों से पंचायत करते आ रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी किसानों व मजदूरों के साथ अन्याय किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों व प्रशासन पर उपेक्षापूर्ण व तानाशाही रवैए का आरोप लगा आगामी लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया। ग्रामीणों ने कहा की जब तक ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

कुल्हाड़ी से काटकर पति-पत्नी की हत्या

पहले सो रहे दंपती को लाठी-डंडे से पीटा; मामूली बात पर हुआ था विवाद

हाथरस। हाथरस में दबंग पिता-पुत्र ने पड़ोसी गांव के दंपती की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। होली के दिन सोमवार शाम को दोनों में विवाद हुआ। रात में शराब के नशे में पिता और बेटे किराना स्टोर चलाने वाले बॉबी के घर पहुंचे। पहले बॉबी को लाठी-डंडे से पीटा। पत्नी को भी जमकर पीटा। फिर दोनों को काट डाला।

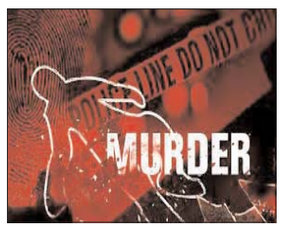

वारदात सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के पोरा गांव की है। दोहरे हत्याकांड की सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने बाप और दो बेटों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मामूली विवाद में की वारदात

होली की शाम करीब 5 बजे बॉबी (44) की दुकान पर टोडरपुर गांव के नन्नू कुछ सामान लेने आए। इसी दौरान नन्नू और बॉबी का विवाद हो गया। उस समय ग्रामीणों ने दोनों को शांत कराया और नन्नू अपने घर वापस चले गए।

ग्रामीणों ने बताया, बॉबी और उनकी पत्नी सुनीता घर के बाहर के छप्पर में सो रहे थे। करीब साढ़े 11 बजे नन्नू और उसके 2 बेटे राजकुमार और रामू शराब पीकर वहां पहुंचे। इन लोगों ने आते ही चारपाई पर सो रहे बॉबी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

शोर सुनकर पति को बचाने आई पत्नी, तो उसे भी पीटने लगे। हमलावरों ने पहले पति और पत्नी को बुरी तरह से पीटा।

फिर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें काट डाला। चींख-पुकार सुनकर घर में सो रहे बॉबी की नाबालिग बेटी और 18 साल का बेटा मौके पर पहुंचे, तो हत्यारोपी धमकाते हुए फरार हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाल आशीष कुमार सिंह, सीओ सिकंदराराऊ डॉ आनंद कुमार और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल भी रात को ही घटनास्थल पर पहुंचे। परिवार के लोगों से घटना को लेकर पूछताछ और छानबीन की।

पिता और एक पुत्र गिरफ्तार, एक फरार

बॉबी के परिजनों ने रात को ही नन्नू, उसके बेटे राजकुमार और रामू के खिलाफ स्त्रढ्ढक्रदर्ज कराई। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस ने दबिश देकर नन्नू और उसके एक बेटे रामू को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि राजकुमार अभी भी फरार है।

लखीमपुर-खीरी में प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या

बीयर पीने के दौरान गांव के युवक से हुआ था विवाद

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में ग्राम प्रधान के बेटे की हत्या कर दी गई। वो दोस्तों से होली मिलने जा रहा था, तभी मोहल्ले के युवक ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। वारदात थाना क्षेत्र निमगांव की है।

ग्राम सुनोरा के प्रधान और निजी बस संचालक प्रेम वाजपेई के पुत्र उत्कर्ष का विवाद बीयर पीने के दौरान मुल्लुला राम नगर निवासी अभिषेक शुक्ला से हो गया था। देर शाम जब उत्कर्ष अपने घर से होली मिलने जा रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के निवासी अभिषेक शुक्ला ने नहर पटरी के पास ही गोली मारकर लहू लुहान कर दिया। सूचनापर परिवार के लोग उसे गंभीर हालत में लेकर जिला अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया जाता है कि अभिषेक शुक्ला और उज्ज्वल वाजपेई के बीच पहले कहासुनी हो गई थी। जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि देर श्याम अभिषेक ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। परिजनों ने अभिषेक के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है।

मृतक केशव का पोस्टमार्टम 3 डॉक्टरों के पैनल और वीडियोग्राफी के साथ होगा। मामले को लेकर क्षेत्राधिकार सदर ने बताया कि गिरफ्तारी के प्रयास चल रहे हैं।

संभल में कार-बोलेरो की टक्कर, दंपती समेत 3 की मौत

4 बच्चों सहित 12 घायल

संभल। संभल में सोमवार को कार और बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दंपती समेत 3 की मौत गई।

जबकि चार बच्चों सहित 12 लोग हादसे में घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। चिकित्सक ने गंभीर रूप से घायल सभी बच्चों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना थाना रजपुरा क्षेत्र के गंवा-हसनपुर रोड स्थित सिरसा की है।

मृतकों की पहचान अमरोहा के चंदनपुर निवासी मुकेश पुत्र रामनिवास, सुनीता पत्नी मुकेश और कार चालक सोनू (35) पुत्र नंहू निवासी दौरारा अमरोहा के रूप में हुई है। सड़क हादसे में मृतक मुकेश के चार बच्चे घायल हुए हैं। जिनके नाम शोभित 10 वर्षीय, आंचल 12 वर्षीय, विवेक 8 वर्षीय और संजना 14 वर्षीय हैं।

होली मिलकर लौट रहे थे घर

बोलेरो सवाल सभी लोग जनपद अमरोहा के थाना आदमपुर के गांव दढियाल में अपने परिचित से होली मिलकर लौट रहे थे। कार सवार मुकेश परिवार के साथ ससुराल गांव लहरा रतु में गमी की होली में शामिल होने के लिए गया था और वापस घर लौट रहा था।

घायल हायर सेंटर रेफर

सीओ गुन्नौर आलोक कुमार सिद्धू ने बताया कि थाना रजपुरा क्षेत्र में गंवा-हसनपुर मार्ग स्थित गांव सिरसा में अर्टिगा एवं बोलेरो में आमने-सामने की भिड़ंत हुई।

जिसमें एक महिला और दो पुरुष की मौत हुई है। अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

स्कॉर्पियो सवार 4 बदमाश गिरफ्तार

गाजीपुर। गाजीपुर की थाना करंडा पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्कॉर्पियो सवार 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तलाशी में गिरफ्तार बदमाशों के पास से 4 तमंचे बरामद किए गए। गिरफ्तार बदमाशों के आपराधिक इतिहास खंगाले जा रहे हैं। होली त्योहार के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा अराजक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोका गया और तलाशी ली गई तो उसमें सवार 4 बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गए, जिनके पास से असलहे बरामद किए गए। करण्डा थाने पर तैनात एसआई अजय कुमार यादव पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। तभी दबलबन्तपुर मोड़ (ग्राम धरम्मरपुर) से 4 बदमाश गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार इमरान कुरैशी, निजामुद्दीन कुरैशी, इरफान कुरैशी और मोहम्मद औरंगजेब जमानियां क्षेत्र के रहने वाले हैं। सभी गिरफ्तार बदमाश स्कॉर्पियो से वाराणसी की तरफ से आ रहे थे।

संभल पुलिस ने पकड़ी अवैध शस्त्र फैक्ट्री

हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, अवैध शस्त्र समेत कई उपकरण बरामद, एएसपी ने किया घटना का खुलासा

संभल। संभल पुलिस ने लोकसभा चुनाव से पूर्व अवैध हथियारों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। साथ ही हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है, जिस पर गैंगस्टर एक्ट और पशु क्रूरता सहित कुल 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई का एएसपी श्रीश्चंद्र ने खुलासा किया है। थाना असमोली पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध शस्त्र फैक्ट्री के साथ गिरफ्तार कर लिया।

थाना पुलिस के द्वारा की गई इस कार्रवाई का मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश्चंद्र ने थाना असमोली पर खुलासा किया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के गांव तलवार के जंगल में सत्र पुत्र पीर बख्श के खेत में बने खाली गैराज टीन शेड के अंदर से अवैध शस्त्रों का निर्माण करते हुए शहाबुद्दीन उर्फ़ शाबू पुत्र मुन्ना उर्फ़ मुन्ने निवासी गांव मदाला फतेहपुर थाना असमोली जनपद संभल को गिरफ्तार किया है। वह हिस्ट्रीशीट है। आरोपी पर गैंगस्टर एक्ट पशु क्रूरता अधिनियम सहित कुल 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थाना पुलिस ने 5 तमंचे 315 बोर, एक अवैध तमंचा 12 बोर, एक अवैध पोनी तमंचा 12 बोर, एक अवैध बंदूक, 12 बोर, जिंदा एवं खोखा कारतूस और 15 अवैध तमंचों सहित भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया है। एएसपी श्रीश्चंद्र ने बताया कि असमोली पुलिस ने गांव के जंगल में अवैधरूप से शस्त्र बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम शहाबुद्दीन उर्फ़ शाबू है।

उसके कब्जे से अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण और अवैध शस्त्र बरामद हुए हैं।

एएसपी ने कहा कि यह पता किया जा रहा है कि आरोपी अवैध शस्त्र का विक्रय करने वाला था।

ललितपुर में युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ललितपुर। ललितपुर में मंगलवार को विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के ससुर ने बताया कि सुबह बहू को घर पर छोड़कर सभी लोग फसल काटने खेत पर चले गए थे। बहू ने क्यों आत्महत्या कर ली पता नहीं। वहीं मृतका के पिता ने ससुरालीजनों पर हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। थाना बानपुर अंतर्गत ग्राम पाय निवासी 20 वर्षीय राजकुमारी पत्नी सत्यभान प्रजापति का शव मंगलवार की सुबह 8 बजे पड़ोसियों ने फांसी के फंदे से कमरे में लटका देखा तो परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के ससुर ने बताया कि 10 महीने पहले शादी हुई थी। सोमवार की देर रात तक बहू राजकुमारी ने सब के साथ होली खेली।

सुबह पांच बजे पति सत्यभान सहित वह सभी लोग फसल काटने के लिए खेत पर चले गए और खेत पर जाते समय बहू से बोल गए थे खाना बना लेना। सुबह जब 8 बजे पड़ोसी महिला ने देखा कि बहू अभी तक सोकर नहीं उठी है तो कमरे में जाकर देखा, तब पता चला कि राजकुमारी का शव रस्सी से फांसी के फंदे से म्यारी से लटका हुआ है। बहू ने क्यों फांसी लगा ली। यह किसी को नहीं पता है।

दूसरी ओर मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ के थाना जतारा के ग्राम पठला निवासी मृतका के पिता नारायण ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसने अपनी बेटी के शादी 10 महीने पहले 26 मई 23 को थी।

हापुड़ में कमरे में मिला किशोरी का शव

हापुड़। हापुड़ में थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव खुडलिया में मंगलवार को एक किशोरी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। किशोरी के गले, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने किशोरी की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चल पाएगा। जानकारी के अनुसार सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव खुडलिया के रहने वाली एक 15 वर्षीय तनु की मंगलवार को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने पूछताछ करने पर बताया कि सोमवार की रात किशोरी बिल्कुल ठीक- ठाक कमरे में सोने गई थी। मंगलवार सुबह कमरे में किशोरी मृत अवस्था में मिली है। पुलिस ने फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुलतानपुर में युवक ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

सुलतानपुर। पारिवारिक कलह से तंग आकर तीन बच्चों के पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना कूरेभार थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव की है।

गांव निवासी सूरज मोची (40) पुत्र सुंदर ने मंगलवार सुबह कमरे के अंदर पंखे के हुक में फंदा लगाया और उस पर झूल गया। काफी देर तक जब वो बाहर नहीं आया तो पत्नी कमरे में गई। वहां पति को लटकता देख उसकी चीख निकल पड़ी। मां की चीख सुनकर बच्चे भी वहां पहुंच गए और पिता की हालत पर वे सभी भी जोर जोर से रोने पीटने लगे। इस पर आस पड़ोस के लोग जमा हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

स्थानीय थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उतारा और पंचायतनामा भर शव को पोस्टमार्टम में भेजा है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर कूड़े में 66 लाख का सोना

बैंकॉक की फ्लाइट से आया यात्री लाया था; चेकिंग के डर से फेंककर भागा

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी कम नहीं हो रही है। एक बार फिर सोना पकड़ा गया है। बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट में में कस्टम विभाग ने 6 लाख 93 हजार रुपए का सोना पकड़ा है। कस्टम विभाग ने इसको कन्फर्म किया है।

हालांकि अभी अधिकारी यह बचाने से बच रहे हैं कि चोरी का सोना लाया कैसे गया था। उम्मीद है कि उसने पेस्ट बनाकर सोने का मलाशय में छुपाया था। लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हो रही है। एयरपोर्ट पर पिछले दिनों सोने के साथ - साथ सिगरेट की तस्करी बढ़ गई है। हर महीने करोड़ों रुपए का माल पकड़ा जा रहा है।

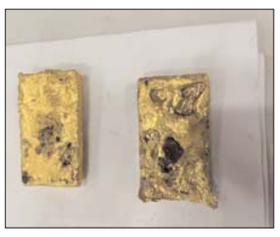

पिछले एक महीने में करीब 4 करोड़ 16 लाख रुपए का सोना भी पकड़ा गया है। इनको कभी कॉफी मशीन तो सभी ट्रॉली बैग के हैंडल में छिपाकर लाया गया था। इसके अलावा मलाशय में सोना लाने वाले लोग अभी भी पकड़े जा रहे है।

हवाई से ज्यादा सड़क मार्ग से हो रही सोने की स्मगलिंग

अधिकारियों के मुताबिक, इंडिया में ज्यादातर सोना सऊदी, मस्कट, दुबई, बैंकाक से लाया जा रहा है। हाल ही में कुछ सोना पकड़ा गया जो ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की रिफाइनरी का था।

तस्कर ज्यादातर सोना म्यांमार के रास्ते बांग्लादेश होते हुए सड़क मार्ग से लेकर आ रहे हैं।

यह सोना यूपी से होकर दूसरे राज्यों तक जाता है। अधिकारियों का कहना है कि इतनी कड़ी चौकसी के बावजूद महज 10 से 15 फीसदी सोना ही पकड़ में आता है।

औरैया में सात साल की बालिका के साथ दुष्कर्म, आरोपी हिरासत में

ग्रामीणों ने दौड़कर आरोपी को पकड़ लिया

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में सदर क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को शौचक्रिया के लिए खेत पर गई सात वर्षीय बालिका के साथ युवक ने दुष्कर्म किया। इस दौरान मां के खेत पर पहुंचने और शोर मचाने से ग्रामीणों ने दौड़कर आरोपी राजेश को पकड़ लिया। घटना की सूचना पर सीओ सिटी एवं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचे और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बालिका को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बालिका शौचक्रिया के लिए खेतों पर गई हुई थी। उसी समय ईंट भट्ठा पर काम करने वाले लगभग 26 वर्षीय राजेश ने बालिका के

साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। आरोपी को घटना को कारित करते बालिका की मां ने देख लिया। उसके चिल्लाने पर काफी लोग आ गये और आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने गांव जाकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। वादी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। इस संबंध में सीओ सदर महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एक सात वर्षीय बालिका अपने घर से करीब 200 मीटर दूरी पर खेतों में शौच क्रिया के लिए गई हुई थी। उसी समय हमीरपुर जनपद के गांव जरिया निवासी 26 वर्षीय भट्ठा मजदूर राजेश ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मौके पर एक शराब का क्वार्टर भरा हुआ एवं एक खाली बरामद हुआ है। फील्ड यूनिट के द्वारा सभी साक्ष्य संकलित कर लिए गये हैं। आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

जौनपुर में ऑटो रिक्शा और ई रिक्शा के आपसी टक्कर में बुजुर्ग की मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र स्थित डीहअसरफाबाद बाजार के पास मंगलवार को आटो रिक्शा और ई रिक्शा के आपसी टक्कर में एक बुजुंग की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार जिले में सरपतहां थाना क्षेत्र के सुइथाकलां (घमहा का पूरा) निवासी दलसिंगार बिंद (60) अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ऑटो रिक्शा से दोस्तपुर अपने रिश्तेदार के यहां किसी के निधन पर शोक-संवेदना प्रकट करने जा रहे थे, इसी दौरान डीहअसरफाबाद बाजार के पास अनियंत्रित ई-रिक्शा से ऑटो रिक्शा की भिड़ंत हो गई। घटना के बाद दोनों वाहन सड़क के किनारे पलट गए। आनन- फानन में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी लोगों को बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुइथाकलां ले गए, जहां अन्य घायलों का उपचार करने के बाद गंभीर रूप से जख्मी दलसिंगार और उर्मिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अनियंत्रित होकर रोडवेज बस पलटी, कई यात्री घायल

फ़िरोज़ाबाद। उत्तर प्रदेश में एटा से शिकोहाबाद आ रही एक रोडबेज बस बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में जसराना स्थित खडीत पुल नगला राजाराम गांव के निकट अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में बस में सवार यात्री घायल हो गये।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को जसराना से सीएससी में पहुंचाया। शिकोहाबाद डिपो की एक गाड़ी एटा से 11: 00 बजे तीन दर्जन सवारियां लेकर शिकोहाबाद की के लिए निकली थी, जैसे ही रोडवेज बस जसराना के खडीत नहर पुल के पास नगला राजाराम के समीप पहुंची तो अचानक रोडवेज बस से आगे चल रही एक बाइक ने बिना इशारे किए मोटरसाइकिल को एक गांव की तरफ मोड़ दिया। अचानक मोटरसाइकिल मोड़ने से रोडवेज चालक हड़बड़ा गया और बाइक को बचाने के चक्कर में रोडवेज बस पोल से टकराकर खाई

में गिर गई। बस के पलटते ही बस में सवार सवारी में चीख पुकार मच गई। राह से गुजर रहे राहगीरो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों के सहयोग से बस में सवार सभी यात्रियों को बाहर निकाला, जिसमे से एक दर्जन सवारियां घायल हो गई, जिसमे छः को गंभीर छोटे थी सभी घायलों को पुलिस ने जसराना के सीएससी में भर्ती कराया। वही हलकी-फुलकी चोट लगी सवारियां अपने-अपने घर चली गई ।

शार्ट न्यूज

टंकी से कूदकर छात्रा का सुसाइड

झांसी। झांसी में 12वीं की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। होली के दिन छात्रा की 4 सहेलियों ने उसके घर से निकल रहे युवक का वीडियो बनाया। फिर उसे ये है प्यार खुलेआम मैसेज के साथ इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। जब छात्रा की बदमानी होने लगी तो उसने 50 फीट ऊंची पानी की टंकी से कूदकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद परिजनों में काफी नाराजगी है। घटना मऊरानीपुर थाना के एक गांव की है। 18 साल की युवती मऊरानीपुर के निजी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ रही थी। हाल में ही उसके बोर्ड के एग्जाम हुए थे, रिजल्ट आना बाकी था। एग्जाम खत्म होने के बाद वह घर पर रहती थी। मृतका के पिता ने बताया, सोमवार को होली के दिन मेरी बेटी घर पर थी। गांव का युवक घर पर पानी पीने आया था। पानी पीने के बाद वह घर से बाहर निकला, पीछे से बेटी भी बाहर आ गई। इस दौरान सामने बैठी मोहल्ले की 4 लड़कियों ने इसका वीडियो बना लिया। इसके बाद एक लड़की ने वीडियो अपने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसमें कमेंट लिखा- ये है प्यार खुलेआम। इसकी वजह से बदनामी हो रही थी, जो मेरी बेटी को सहन नहीं हुई।

पति ने बेल्ट से पीटकर पत्नी को मार डाला

लखनऊ। लखनऊ में शराब के नशे में पति ने पत्नी की पीटकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह नशा उतरा तो देखा कि पत्नी मरी पड़ी है। पुलिस के डर से आरोपी पति मौके से फरार हो गया है। बिजनौर थाना पुलिस हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। बिजनौर थाना क्षेत्र के चंद्रावल का माजरा सहदुल्ला खेड़ा में चंद्रावती और सुरेश अपने बच्चों के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुरेश मजदूरी करता है। रोज शराब पीकर घर पहुंचता था। इसके बाद मारपीट करता था। होली की रात में भी सुरेश शराब के नशे में घर पहुंचा। इसके बाद रात में सुरेश ने पत्नी चंद्रावती की पिटाई की। रात के समय में पत्नी को नशे में धुत पति ने खूब पीटा। इससे चंद्रावती के माथे और चेहरे पर कई जगहों चोट लग गई। बुरी तरह से चोट लगने के बाद चंद्रावती ने दम तोड़ दिया। 14 साल पहले सुरेश और चंद्रावती की शादी हुई थी। दोनों के चार बच्चे हैं। शिवा (13) कुरौनी स्थित स्कूल में कक्षा 9वीं का छात्र है। सुशांत (9) सादुल्लाह खेड़ा स्थित सरकारी स्कूल में 5वीं का छात्र है। पांच वर्ष का बेटा आयुष और बेटी कविता भी है। पुलिस का कहना है कि रात करीब 12 बजे की घटना है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

ललितपुर। ललितपुर में एक युवक का शव कमरे में फांसी के फंदे से संदिग्ध अवस्था में लटका मिलने से हड़कम्प मच गया। वहीं परिजनों ने आत्महत्या कर लेने की बात कही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना मड़ावरा अंतर्गत ग्राम साढ़ूमल निवासी 35 साल के इमरत पुत्र फुंदी कुशवाहा का शव मंगलवार सुबह उसके कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। राहगीरों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने जाकर देखा तो इमरत का शव फांसी के फंदे से म्यारी से लटका हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चचेरे भाई करन ने बताया कि इमरत मिठाई बनाने का काम करता था। साथ ही साथ वह दिल्ली में मजदूरी करता था। तीन महीने पहले ही वह दिल्ली से मजदूरी करके लौटा था और उसकी पत्नी दो बच्चों के साथ डेढ साल से दिल्ली चली गई थी और वह वहीं पर मजदूरी कर रही है। इमरत भी पत्नी के साथ काम करने लगा था और तीन महीने पहले ही दिल्ली से वह घर आ था। उसने क्यों फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, इसका कारण नहीं बता पाए।

शवों को सड़क पर रखकर लगाया जाम

फतेहपुर। फतेहपुर में रविवार की रात होली के अवसर पर खेत में शराब पार्टी के साथ मीट बनाया जा रहा था। खेत मालिक ने शराब के नशे में ट्रैक्टर को स्टार्ट कर दिया था। जिससे ट्रैक्टर लोगों पर चढ़ने से एक की मौके पर दो लोगों की इलाज दौरान मौत ही गई थी। सोमवार को सभी शवों का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने आज मंगलवार के दिन शवों को सड़क पर रखकर खेत मालिक पर हत्या का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग को लेकर जाम लगा दिया। जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के दपसौरा गांव के रहने वाले राम बहुदार निषाद अपने खेत में लगी गेंहू की फसल को कटाई कराने के लिए रविवार के दिन मनोज निषाद पुत्र राम खेलावन निवासी रूरा को ट्रैक्टर ट्राली और मशीन के साथ बुलाया था। कटाई करने के लिए अन्य मजदूर मइयादीन, कल्लू और चुन्नू सिंह होली पर खेत पर शराब पार्टी के साथ मीट बना रहे थे। इसी बीच खेत मालिक रामबहादुर ने नशे में ट्रैक्टर को स्टार्ट कर दिया। जिसके बाद स्टार्ट ट्रैक्टर मीट बना रहे लोगों पर चढ़ गया। हादसे के बाद मनोज,कल्लू और मइयादीन को पुलिस ने नजदीकी सीएचसी अमौली में भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टर ने मनोज निषाद को मृत घोषित कर दिया।

वाहनों की चेकिंग में मिली 6 लाख की नकदी

मुजफ्फरनगर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसएसटी टीम और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग वाहनों से छह लाख रुपए की नगदी बरामद की। इनमें मंसूरपुर पुलिस ने हाईवे पर चेकिंग के दौरान एक कार से साढ़े चार लाख रुपए पकड़े, जबकि थाना बुढाना पुलिस ने गढी सखावतपुर चौराहा के करीब से चेकिंग के दौरान एक कार से दो लाख रुपए की नगदी बरामद की। दोनों ही मामलों में कार चालक पकड़ी गई धनराशि के संबंध में कोई प्रमाण नहीं दिखा सके। इसके बाद रुपए को कोषागार में जमा कराया गया है। खतौली थाने के इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार सिंह ने बताया, कि सोमवार को पुलिस और एसएसटी टीम संयुक्त रूप से दिल्ली-देहरादून हाईवे पर मेरठ से मुजफ्फरनगर आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की कर रही थी। एक ग्रैंड विटारा कार रोककर जांच की गई। कार में 4,50,00 लाख रुपए मिले। कार में सवार व्यक्ति मनीष कुमार पुत्र साहिबराम निवासी 545 सेक्टर-16 फरीदाबाद, हरियाणा से धनराशि के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। न ही वह कोई प्रमाण प्रस्तुत कर पाया।

कॉलेज गई 17 साल की छात्रा गायब

गोंडा। गोंडा जिले में देहात देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव के रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक महाविद्यालय में पढ़ने आई थी और विद्यालय से ही 17 वर्षीय नाबालिग लड़की गायब हो गई है। जब लड़की घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने नगर कोतवाली में तहरीर दी, लेकिन तहरीर मिलने के चार दिन बाद नगर कोतवाली पुलिस ने अपहरण की धाराओं में तो मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन अभी 10 दिन बीत जाने को है अभी तक नाबालिग को पुलिस नहीं बरामद कर सकी है। पीड़ित परिजन लगातार नगर कोतवाली का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पुलिस द्वारा कोई भी ठोस जवाब परिजनों को नहीं दिया जा रहा है। देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय छात्रा 13 मार्च को घर से पढ़ने के लिए नगर कोतवाली क्षेत्र तक स्थित नारी ज्ञानस्थली विद्यालय आई हुई थी। जहां पर विद्यालय का टाइम खत्म होने पर जब छात्रा अपने घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन छात्र नहीं मिली।

श्रमिक का शव बरामद होने से फैली सनसनी

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के मिल एरिया इलाके में मंगलावार सुबह एक श्रमिक का शव उसके निवास के समीप संदिग्ध हालात में बरामद हुआ । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह मिल एरिया इलाके में स्थित एक धर्मकांटे के समीप श्रमिक का शव उसके निवास के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से हड़कंप मच गया । बताया गया कि मनीष सोनकर (24) धर्मकांटे के समीप रहता था वही लकड़ी का कारोबार भी होता था। सुबह उसका शव घर के बाहर बरामद हुआ है। तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब का आदी था। किन हालात में और कैसे मृतक की मृत्यु हुई है यह अभी रहस्य है। मिली जानकारी के अनुसार कुछ लोगो का आरोप है कि मृतक के साथ मारपीट हुई थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के अनुसार मुकदमा दर्ज किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

1 दिन में 2 हजार भूकंप के झटकों पर वैज्ञानिको ने जताई नई समुद्री परत की संभावना

टोरंटो। कनाडा के समुद्री तट पर इस माह एक दिन में 2 हजार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। इसको लेकर वैज्ञानिक लगातर रिसर्च में लगे हुए हैं। अब तक के शोध में वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे गहरे समुद्र में मैग्मैटिक विच्छेदन के जरिए नई समुद्री परत का जन्म होने वाला है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि भूकंप के झटकों से लोगों को कोई खतरा नहीं बताया गया।

भूकंप के इन झटकों को कम तीव्रता का बताया गया, जिनका केंद्र वैंकूवर द्वीप के तट से लगभग 150 मील (240 किमी) दूर एंडेवर साइट नाम की जगह पर पाया गया था। यह लोकेशन कई हाइड्रोथर्मल वेंटों की मेजबानी करती है और जुआन डे फूका रिज पर है। वहां समुद्र तल दूर तक फैला है। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन में मरीन जियोफिजिक्स (समुद्री भूभौतिकी) में डॉक्टरेट उम्मीदवार जो क्रॉस के हवाले से इस बारे में रिपोर्ट में बताया गया- यह क्षेत्र सबडक्शन जोन जहां एक टेक्टॉनिक प्लेट दूसरी प्लेट के नीचे मेंटल में डूब रही है) से अलग है। यह एक ऐसा इलाका है जो कि तट के करीब बड़े विनाशकारी भूकंप पैदा कर सकता है। जो क्रॉस के मुताबिक, मध्य महासागर की चोटियां इतने बड़े भूकंप पैदा करने में सक्षम नहीं हैं और यह सबडक्शन जोन पर कोई बड़ी बात ट्रिगर नहीं करने वाला है। हालांकि, उनका मानना है कि ये भूकंप के झटके वैज्ञानिक रूप से दिलचस्प हैं क्योंकि वे इस बारे में डिटेल दे सकते हैं कि समुद्र का तल कैसे अलग हो जाता है और नई परत बनती है।

सैनिकों को गाजा के अल-शिफा अस्पताल में मिले हथियार : आईडीएफ

तेल अवीव। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) को गाजा में अल-शिफा अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड और एमआरआई सेंटर में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। आईडीएफ ने यह जानकारी दी है। आईडीएफ ने कहा कि सैनिकों ने अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड और एमआरआई सेंटर से कलाश्निकोव राइफलें, विस्फोटक, मोर्टार, ग्रेनेड और कई अन्य असॉल्ट राइफलें जब्त कीं। हथियार मेडिकल उपकरणों के बीच छिपाए गए थे। आईडीएफ ने आगे यह भी कहा कि सैनिकों ने अस्पताल के अंदर उन पर हमला करने वाले कई आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार हमास नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करते हुए अस्पतालों और ऐसे अन्य स्थानों से व्यवस्थित और निंदनीय तरीके से काम कर रहा है।

पाकिस्तान में आतंकी हमला, सुरक्षाबलों ने चार आतंकी किए ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के तुरबत शहर में देर रात नौसेना स्टेशन पर आतंकी हमला हुआ है। हमले के बाद पाक सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए चार आतंकवादियों को मार गिराया। एक समाचार एजेंसी ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि स्वचालित हथियारों और हथगोले से लैस चार आतंकवादियों ने तुरबत में पाकिस्तानी नौसेना स्टेशन सिद्दीकी पर हमला किया। स्टेशन पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकियों को मार गिराया। सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों ने नौसेना स्टेशन में घुसने की कोशिश की लेकिन वे नौसेना बेस के बाहर ही उलझ गए और सुरक्षाकर्मियों के साथ गोलीबारी के दौरान मारे गए। आतंकवादियों के मारे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने घटनास्थल पर सफाया अभियान शुरू किया। अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे, इलाके की घेराबंदी की और क्षेत्र में तलाशी अभियान भी चलाया। कुछ सूत्रों ने कहा कि हमले में छह आतंकवादी शामिल थे, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस बाद में घटना पर विस्तृत बयान जारी करेगी। प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक बयान जारी कर हमले का दावा किया है।

दुनिया के अरबपतियों में नंबर 1 बने बर्नार्ड अर्नाल्ट, बेजोस हुए पीछे

पेरिस। फ्रांस के बिजनेसमैन बर्नार्ड अर्नाल्ट एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने चंद दिन पहले अरबपति नंबर वन बने जेफ बेजोस से उनका ताज छिन लिया है। इस महीने बिलेनियर इंडेक्स में टॉप पोजीशन पर कई उलटफेर हुए। पहले एलन मस्क दुनिया के सबसे बड़े रईस थे। जेफ बेजोस ने मस्क से अरबपति नंबर वन का रुतबा छीन लिया। फिर जेफ बेजोस को पछाड़कर बर्नार्ड अर्नाल्ट दुनिया के सबसे बड़े रईस बने। फिर अर्नाल्ट से बेजोस ने ताज छीना और आज एक बार फिर बर्नार्ड ने अपना ताज वापस पा लिया। इस साल कमाई में नंबर वन पोजीशन पर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग हैं। जुकरबर्ग 50.4 अरब डॉलर कमा चुके हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर जेनसन हुआंग हैं, जिन्होंने 39.6 अरब डॉलर कमाया है। जेफ बेजोस 25.5 अरब डॉलर की कमाई के साथ इस लिट में तीसरे और बर्नार्ड अर्नाल्ट 22.8 अरब डॉलर की कमाई के साथ चौथे स्थान पर हैं। जबकि ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में एलन मस्क 187 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मार्क जुकरबर्ग 178 अरब डॉलर के साथ चौथे, बिल गेट्स 153 अरब डॉलर के साथ पांचवें, स्टीव बाल्मर 146 अरब डॉलर के साथ छठे, लैरी एलिसन 139 अरब डॉलर के साथ सातवें, लैरी पेज 136 अरब डॉलर के साथ आठवें स्थान पर हैं। वॉरेन बफेट 136 अरब डॉलर के साथ नौवें और सर्गी ब्रिन 129 अरब डॉलर के साथ 10वें पोजीशन पर हैं। अडानी 15वें और अंबानी 11वें स्थान पर हैं। बता दें कि दुनिया के अमीरों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल के बीच अब जेफ बेजोस 202 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। बर्नार्ड अर्नाल्ट 230 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। अब 200 अरब डॉलर क्लब में दो लोग हैं। दुनिया के पहले और दूसरे नंबर के अरबपति के बीच अब फासला 28 अरब डॉलर का है। यानी बर्नार्ड लंबे समय तक अरबपति नंबर वन की कुर्सी पर काबिज रह सकते हैं।

यूएनएससी में शांति के प्रस्ताव को लेकर अमेरिका पर भड़क उठा इजरायल

जिनेवा। हमास के खिलाफ जंग लड़ रहा इजराइल एक बार फिर अमेरिका पर भड़क उठा है। वजह ये है कि यूएनएससी में सीजफायर को लेकर एक प्रस्ताव पास हुआ है जिसको लेकर इजरायल आपत्ति जताई है। अमेरिका के वोटिंग से अलग होने के फैसले पर इजरायल भड़का हुआ है। इजरायल चाहता था कि अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो करे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका ने यूएन में अपने सिद्धांतों से समझौता कर लिया। कुछ दिन पहले ही यूएनएससी में अमेरिका ने सीजफायर पर एक प्रस्ताव का समर्थन किया था जिसमें युद्धविराम के लिए बंधकों की रिहाई की बात कही गई थी। रूस और चीन ने मिलकर उस प्रस्ताव पर वीटो लगाया था। इजरायल का कहना है कि वीटो का इस्तेमाल ना करके अमेरिका यूएनएससी में शुरू से चले आ रहे अपने स्टैंड से भागना चाहता है। इजरायल ने कहा, आज के प्रस्ताव से हमास को उम्मीद हो जाएगी कि अंतरराष्ट्रीय दबाव में इजरायल सीजफायर की बात मानने को मजबूर हो जाएगा। ऐसे में बंधकों की रिहाई अलग ही रह जाएगी। नेतन्याहू ने कहा कि वह अपने प्रतिनिधिमंडल को अमेरिकी नहीं भेजेंगे। इसी बीच वॉशिंगटन की तरफ से ये आरोप खारिज किए गए हैं। अमेरिका ने कहा कि उसने यूएनएससी में अपनी नीति में बदलाव नहीं किया है। इजरायली पीएम ने कहा, आज जब अल्जीरिया और अन्य देश मिलकर प्रस्ताव लाए तो रूस और चीन भी उनके साथ हो गया। जबकि इस प्रस्ताव में केवल सीजफायर की बात कही गई है। बंधकों की रिहाई से संबंधित कोई बात है ही नहीं। ऐसे में अमेरिका को वीटो पावर का इस्तेमाल करना चाहिए था। अफसोस की बात है कि अमेरिका ने अपनी नीति ही छोड़ दी और वोटिंग से अलग हो गया। अमेरिका ने कहा, हम राफाह बॉर्डर पर चल रहे युद्ध के विकल्प पर चर्चा करना चाहते थे। इजरायल का इस तरह से इनकार करना निराशाजनक है। अमेरिका ने कहा, हमारे विचार में कोई बदलाव नहीं आया है। राफाह पर जमीनी हमला करना नुकसानदेह हो सकता है।

कीव में रुसी हमले में धवस्त एक इमारत में राहत और बचाव का काम करते हुए लोग।

पुतिन ने खाई कसम... इस आंतकी संगठन का होगा खत्मा

मास्को। बीते 22 मार्च को मास्को के कॉन्सर्ट हॉल में चार बंदूकधारियों ने ताबड़तोल गोलियों की बौछार कर 130 लोगों की जान ले ली। हालांकि हमला करने वाले सभी बंदूकधारियों को गिरफ्तार किया था। लेकिन तब तक रूसी सरकार द्वारा यह नहीं बताया गया था कि घटना के पीछे किस संगठन का हाथ है। लेकिन अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मास्को कंसर्ट हॉल में एक आतंकी हमला था और इसके पीछे इस्लामिक चरमपंथ का हाथा है। पुतिन ने कहा कि इस कत्लेआम को उन चरमपंथ लोगों द्वारा अंजाम दिया गया जिसकी विचारधारा वर्षों से इस्लामिक दुनिया से ताल्लुक रखती है। इस भीषण आतंकी हमले के बाद इस्लामिक स्टेट ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। तब पुतिन ने कहा था कि जो भी इस हमले के पीछे हैं, मैं कसम खाता हूं कि वे बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है। यह हमला उस समय हुआ जब पुतिन पांचवी बार राष्ट्रपति के लिए चुन लिए गए हैं। शुरुआत में रूस ने यूक्रेन पर हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया था लेकिन यूक्रेन ने इस पूरी तरह खारिज कर दिया जिसका अमेरिका ने भी समर्थन किया।

सिंगापुर पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर ने रणनीतिक साझेदारी पर की चर्चा

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठता बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर पहुंच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रमुख कॉर्पोरेट हस्तियों से भी मुलाकात की। जिन्होंने निवेश अनुभवों के आधार पर भारत की विकास की कहानी के बारे में बात की। डॉ जयशंकर ने भारत-सिंगापुर संबंधों पर प्रधानमंत्री ली सीन लूंग की सकारात्मक भावनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह हमेशा से हमारे संबंधों की ताकत का स्रोत रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को सिंगापुर के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और रणनीतिक साझेदारी के लिए उनके समर्थन को महत्व दिया तथा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, द इस्ताना में प्रधानमंत्री ली सीन लूंग से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। दुनिया की वर्तमान स्थिति पर उनके दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने सिंगापुर के भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से भी मुलाकात की, जिनके साथ उन्होंने भारत-प्रशांत और पश्चिम एशिया पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्री डॉ जयशंकर ने उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग से भी मुलाकात की, जहां उभरती वैश्विक आर्थिक स्थिति पर विचारों के अलावा, द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने, विशेष रूप से नए युग की प्रौद्योगिकियों पर दृष्टिकोण साझा किए गए। उन्होंने गृह मामलों और कानून मंत्री, के. षणमुगम से मुलाकात के बाद दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की अपनी यात्रा समाप्त की और कहा कि वह भारतीय मूल के मंत्री के हमारी रणनीतिक साझेदारी के लिए निरंतर समर्थन की सराहना करते हैं। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए विदेश मंत्री ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में सिंगापुर का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम और विदेश मंत्री बालाकृष्णन से मुलाकात की थी। सिंगापुर यात्रा के समापन के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर आपसी चिंता के क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत करने के लिए मलेशिया और फिलीपींस की यात्रा करेंगे। डॉ जयशंकर ने कहा, हमारे द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। अगली आईएसएमआर (भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज) बैठक की तैयारियों के बारे में बात की। हमारे राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी की कल्पना के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच पहला आईएसएमआर, मौजूदा सहयोग को गहरा करने और नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों की पहचान करने के लिए 2022 में आयोजित किया गया था। उद्घाटन बैठक के बाद, पीएम मोदी ने आशा व्यक्त की कि आईएसएमआर जैसी पहल से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

बालबाल बची ट्रंप की संपत्ति जब्त होने से... अदालत ने 10 दिन की मोहलत दी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क की एक अदालत से राहत मिल गई है। बिजनेस में फर्जीवाड़े के एक मामले में डोनाल्ड ट्रंप को 45.4 करोड़ डॉलर करीब आधा अरब डॉलर जमा करने को कहा गया था। अगर वे ऐसा नहीं करते, तब उनकी संपत्ति जब्त हो जाती। लेकिन ट्रंप ने अदालत से इस रकम पर तत्काल रोक लगाने की अपील की थी जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर रकम को कम कर कहा कि यदि वह 10 दिनों के अंदर 17.5 करोड़ डॉलर जमा कर देते हैं, तब उनकी संपत्ति जब्त होने से बचेगी। यह मामला 2016 राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित है जिसमें ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला को उनकी अंतरंग बातें छुपाने के बदले में भारी-भरकम रकम दी थी।

ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की तैयारी में सबसे आगे चल रहे हैं, लेकिन उनकी संपत्ति दिनों-दिन कम होती जा रही है। इस स्थिति में उनपर संपत्ति को हाथ से धोने की तलवार लटक रही थी। उधर ट्रंप की कंपनी को पैसे की इस कदर दिक्कत हो गई है कि वे डिस्काउंट में अपनी संपत्ति बेचना चाहते हैं।

यह घटनाक्रम न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा निर्णय की जानकारी एकत्र करने के प्रयास शुरू करने से ठीक पहले हुआ। इस सप्ताह की शुरुआत में, ट्रंप के वकीलों ने उनके 45.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर एकत्र करने से जुड़े मामले में एक प्रांतीय अपीलीय अदालत से इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने किया तुरबत में नौसेना एयरबेस पर हमला

-एयरबेस पर चीनी ड्रोन तैनात

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मुसीबतें खत्म नहीं हो रही हैं। अब वहां के दूसरे सबसे बड़े नौसैनिक हवाई अड्डे पर आतंकियों ने गोलियों की तड़तड़ाहट और बम धमाकों से दहला दिया है। यह हमला बलूचिस्तान के तुरबत में स्थित पीएनएस सिद्दीकी नेवल एयर स्टेशन पर हुआ है। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की माजिद ब्रिगेड ने तुरबत में नौसेना एयरबेस पर हमले की जिम्मेदारी ली है।

बीएलए का दावा है कि उसके लड़ाके एयरबेस में घुसे हुए हैं। दरअसल, मजीद ब्रिगेड बलूचिस्तान प्रांत में चीनी निवेश का विरोध करता है और चीन और पाकिस्तान पर उस क्षेत्र के संसाधनों के दोहन का आरोप लगाता रहा है। बीएलए ने बेस को निशाना इसकारण बनाया है, क्योंकि उस सैन्य अड्डे पर चीनी ड्रोन तैनात हैं।

तुरबत का ताजा हमला बीएलए मजीद ब्रिगेड द्वारा सप्ताह का दूसरा और इस साल का तीसरा हमला है। इसके पहले 29 जनवरी को बीएलए ने ग्वादर पोर्ट को निशाना बनाया था, जहां सैन्य खुफिया मुख्यालय है। उसके बाद 20 मार्च को भी तुरबत स्थित इसी दूसरे सबसे बड़े नौसेना एयरबेस पर हमला बोला था। 20 मार्च को पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स में कई विस्फोटों और गोलीबारी की सूचना के बाद शुरू हुई लड़ाई में करीब दो पाकिस्तानी सैनिक और आठ आतंकवादी मारे गए थे।

बता दें कि ग्वादर बंदरगाह चीन द्वारा नियंत्रित है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का एक अहम हिस्सा और महत्वपूर्ण स्थान है। चीन यहां अरबों डॉलर की सड़कें और ऊर्जा परियोजनाएं बना रहा हैं। यह बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का भी हिस्सा है लेकिन बलूचिस्तान के लोग अपने संसाधानों पर चीन के कब्जे के रूप में देखते हैं। बलूचों का आरोप है कि ग्वादर में चल रहे चीनी प्रोजेक्ट्स से चीन को फायदा होगा। इसमें स्थानीय हितों की अनेदखी की जा रही है।

साइबर जासूसी को लेकर अमेरिका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड हुआ सख्त, इन चीनी कंपनियों पर लगाये प्रतिबंध

जेनेवा (एजेंसी)। अमेरिका ने चीनी सरकार पर व्यापक साइबर जासूसी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन की साइबर जासूसी से वैश्विक स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट 31 कहा जाने वाला हैकिंग समूह कथित तौर पर चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय से जुड़ा हुआ है। संबंधित डेवलपमेंट में न्यूजीलैंड ने 2021 में दुर्भावनापूर्ण साइबर हमले के लिए राज्य प्रायोजित चीनी हैकरों को जिम्मेदार ठहराया है। सुरक्षा सेवा मंत्री जूडिथ कोलिन्स ने संवेदनशील सरकारी जानकारी को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

साइबर हमलों के निशाने पर कथित तौर पर कानून निर्माता, शिक्षाविद्, पत्रकार और बीजिंग के आलोचक सरकारी अधिकारी, साथ ही रक्षा ठेकेदार और इस्पात, ऊर्जा और परिधान जैसे क्षेत्रों की विभिन्न कंपनियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कहा जाता है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों और सांसदों के पति-पत्नी भी निशाना बनाए गए लोगों में शामिल थे। उप अमेरिकी अटॉर्नी जनरल लिसा मोनाको के अनुसार, हैकिंग ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य चीनी शासन के आलोचकों को चुप कराना, सरकारी संस्थानों में घुसपैठ करना और व्यापार रहस्यों को चुराना था। अमेरिकी अभियोजकों ने सात कथित चीनी हैकरों के खिलाफ अभियोग खोल दिया है, जिसमें उन पर लाखों अमेरिकियों के कार्य खातों, व्यक्तिगत ईमेल, ऑनलाइन स्टोरेज और टेलीफोन कॉल रिकॉर्ड से समझौता करने का आरोप लगाया गया है।

इस बीच, ब्रिटिश अधिकारियों ने APT31 पर चीन के आलोचक ब्रिटिश सांसदों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, साथ ही चीनी जासूसों के एक अलग समूह को ब्रिटेन के चुनावी निगरानी में हैक के लिए जिम्मेदार ठहराया है, जिसने ब्रिटेन में लाखों लोगों के डेटा से समझौता किया है। यूके और यूएस दोनों में चीनी राजनयिकों ने आरोपों को खारिज कर दिया है, उन्हें निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया है। फिर भी, दोनों देशों ने कथित तौर पर चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक फर्म पर प्रतिबंध लगाया है, जिसे वे हैकिंग गतिविधि के लिए अग्रणी कंपनी होने का दावा करते हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने साइबर जासूसी गतिविधियों के जवाब में दो चीनी नागरिकों के साथ-साथ वुहान ज़ियाओरुइज़ी साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर प्रतिबंधों की घोषणा की। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने चीन की कार्रवाइयों की निंदा की और उन्हें अमेरिकी साइबर सुरक्षा को कमजोर करने और अमेरिकी हितों और नवाचार को लक्षित करने के बेशर्म प्रयासों के रूप में वर्णित किया।

आखिर क्यों किया आंतकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने रुस पर हमला... 1400 साल के पुराने इतिहास का जनाना होगा

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हमेशा अमेरिका सहित पश्चिमी दुनिया के देशों को धमकी देते हैं। वे मानते हैं कि अमेरिका, यूरोपियन यूनियन सहित पश्चिमी देश उनके खिलाफ हैं, कोल्ड वॉर के दौर से ही रूस की यह स्थिति है। इसी तरह आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट तमाम इस्लामिक दहशतगर्द भी पश्चिमी देशों को अपना खुला विरोधी और दुश्मन मानते हैं। इसके बाद सवाल उठाता हैं कि इस्लामिक स्टेट ने उस रूस पर भीषण आतंकी हमला क्यों किया, जो खुद भी पश्चिम के खिलाफ रहा है।

दरअसल आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट की विचारधारा को समझने वाले जानकार मानते हैं कि रूस भी उसका दुश्मन जैसा ही है। इसकारण रूस में ईसाई मत को ही मानने वाले लोगों की संख्या अधिक है। इस्लामिक स्टेट मानना है कि बीते 1400 सालों से इस्लाम और ईसाईयत के बीच जंग जारी है।

इसके अलावा इस्लामिक स्टेट, अलकायदा सहित तमाम आतंकी संगठन मानते हैं, कि ईसाई मत मानने वाले एवं अन्य गैर-इस्लामिक देशों का एक अनकहा गठबंधन है। इसके बाद भारत, रूस सहित तमाम देश इनके टारगेट पर रहे हैं। इस्लामिक स्टेट में रूस, भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस सहित दुनिया भर से गए लोग आतंकी बने हैं।

इन लड़ाकों को लगता है कि रूस भी इस्लाम के खिलाफ है। इसके बाद उसके खिलाफ भी जिहाद छेड़ना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार रूस पर हमले की एक वजह यह भी है कि पुतिन सरकार सीरिया में बशर अल असद का समर्थन करती है। असद सरकार को इस्लामिक स्टेट अपने खिलाफ मानता है। 1999 में चेचेन्या में रूस की ओर से लड़ा गया खूनी युद्ध भी इसकी एक वजह है। इसके अलावा अफगानिस्तान में रूस के 1980 में पहुंचने को भी आतंकी संगठन इस्लाम के खिलाफ उठाया कदम मानते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 63 रन से हराया

चेन्नई 26 मार्च (वार्ता) शिवम दुबे 51 रनों की अर्धशतकीय तथा रचिन रविंद्र और ऋतुराज गायकवाड की 46-46 रनों की शानदार आतिशी पारी और उसके बाद गेंदबाज के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सातवें मैच में गुजरात टाइटंस को 63 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ चेन्नई सपुर किंग्स की टीम तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

207 रनों के विशाल रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 55 रन के स्कोर पर अपने शीर्ष तीन विकेट गंवा दिये थे। कप्तान शुभमन गिल आठ रन, ऋद्धिमान साहा 21 रन और विजय शंकर 12 रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद साई सुदर्शन ने डेविड मिलर के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। मिलर 21 रन और सुदर्शन 37 रन बना कर आउट हुये। अजमतउल्लाह उमरजई 11 रन और राशिद खान एक बनाकर पवेलियन लौट गये। राहुल तेवतिया ने छह रन बनाये। उमेश यादव 10 रन और स्पेंसर जॉनसन पांच रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 143रन ही बना सकी। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से दीपक चाहर,मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। डैरिल मिचेल और मथीशा पथिराना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम चेपॉक में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 62 रन जोड़ते हुए टीम के लिए अच्छी शुरुआत की। पहले विकेट के रूप में रचिन रविंद्र को राशिद ने साहा के हाथों स्टंप कराकर पवेलियन भेजा। रचिन ने 20 गेंदों में छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 46 रनों की आतिशी पारी खेली। अजिंक्य रहाणे 12 रन बनाकर आउट हुये। ऋतुराज गायकवाड़ ने 36 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाये। शिवम दुबे ने 23 गेंदों में दो चौके और पांच छक्कों की मदद से 51 रन ठोके। समीर रिजवी छह गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुये। डैरिल मिचेल आखिरी गेंद पर 24 रन बनाकर रनआउट हुये। वहीं रवींद्र जडेजा सात रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 206 रन का स्कोर खड़ा किया। चेन्नई ने अपनी पारी में 11 छक्के लगाये।

गुजरात टाइटंस की ओर से राशिद खान को दो विकेट मिले। साई किशोर, मोहित शर्मा और स्पेंसर जॉनसन ने एक-एक बल्लेबाज का आउट किया।

मियामी ओपन टेनिस: बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोप्पाना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने यहां एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में ह्यूगो निस और जान ज़ीलिंस्की को हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

बोपन्ना और एब्डेन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने सोमवार की रात खेले गए एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मोनेगास्क के निस और पोलैंड के ज़ीलिंस्की को 7-5, 7-6 (3) से पराजित किया। यह मुकाबला एक घंटा 39 मिनट तक चला। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के जॉन पैट्रिक स्मिथ और नीदरलैंड के सेम वर्बीक से होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन बोपन्ना और एब्डेन ने चार ऐस लगाए और अपनी पहली सर्व पर 84 प्रतिशत (37/44) अंक जीते। मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

बोपन्ना और एब्डेन ने पहले सेट के 11वें गेम में ब्रेक प्वाइंट लेकर 6-5 से बढ़त बना दी। अगले गेम में उन्होंने दो ब्रेक प्वाइंट बचाकर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में दोनों जोड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर इसे टाइब्रेकर का खींच दिया। टाइब्रेकर में निस और ज़ीलिंस्की ने डबल फाल्ट किया जिसका फायदा उठाकर बोपन्ना और एब्डेन ने यह सेट और मैच जीत लिया।

महिला एशिया कप का शेड्यूल जारी, इस दिन भिड़ेंगे भारत-पाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने आगामी महिला एशिया कप 2024 के लिए पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विमेंस एशिया कप इसबार श्रीलंका के दांबुला में 19 जुलाई से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में इस बार 8 टीमें शामिल होंगी। इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, और बांग्लादेश के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, नेपाल और थाईलैंड टीमें शामिल हैं।

वहीं इस मौके पर एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि, एशियन क्रिकेट में महिला क्रिकेट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हम खुश हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें खुशी है कि साल 2018 में 6 टीम से अब 8 टीम हो गई हैं। हम एक रोमांचक टूर्नामेंट की आशा करते हैं जो खिलाड़ियों और फैंस दोनों को प्रेरित करेगा। महिला एशिया कप एसीसी कैलेंडर में एक अहम कार्यक्रम बन गया है, जो महिला क्रिकेटरों को खेल के प्रति अपने कौशल और जुनून को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। एशिया कप 2024 में 8 टीम को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तानस यूएई और नेपाल की टीम है। जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड की टीम को रखा गया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का शेड्यूल जारी, पर्थ में जाएगा पहला मैच

जयपुर (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। वहीं इस ट्रॉफी में चार नहीं बल्कि पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। जिसके लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शेड्यूल जारी किया। ये 1991-92 के बाद पहला मौका होगा। जब इन दोनों देशों के बीच पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली ये सीरीज ऑस्ट्रेलिया के 2024-25 के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगी। इसका कार्यक्रम आने वाले दिनों में जारी किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया करते हुए लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 1991-92 के बाद पहली बार इन गर्मियों में पांच टेस्ट मैच सीरीज खेली जाएगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली येसीरीज 2024-25 के घरेलू कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगी।

भारतीय क्रिकेट में बदलाव विराट कोहली के कारण आया है : केविन पीटरसन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों पर विराट कोहली के महत्वपूर्ण प्रभाव पर विचार किया है और इसे परिवर्तनकारी बताया है और कहा है कि 35 वर्षीय बल्लेबाज भारतीय क्रिकेट में बदलाव के लिए जिम्मेदार है। पीटरसन ने अपने साथियों के बीच कोहली की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि दाएं हाथ के बल्लेबाज, फिटनेस फ्रीक, जो हमेशा अपने फिटनेस मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते थे, ने भारतीय क्रिकेटरों को बेहतरीन एथलीट में बदल दिया है।

पीटरसन ने भारतीय क्रिकेट और उनके साथियों पर कोहली के प्रभाव पर बात की। उन्होंने कहा, 'उन चीजों में से एक जो हर कोई याद रखेगा और एक खिलाड़ी के रूप में सबसे बड़ी यादें बनाएगा, वह है पारी खत्म करना और सर्वकालिक महान फिनिशरों में से एक बनना। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए जो चीजें की हैं, उनमें से एक यह है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेटरों को एथलीट में बदल दिया है, और ऐसा करते समय उन्होंने सिर्फ बात नहीं की है। वह पैदल चले हैं और आप इसे देख सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब वह विकेटों के बीच दौड़ रहा होता है, तो उसकी पूरी प्रतिबद्धता और उसकी ऊर्जा और सर्वश्रेष्ठ बनने की उसकी इच्छा होती है और वह सर्वश्रेष्ठ है। यह मैदान से पहले शुरू होता है, जो आहार से, जिम में लगाई गई ऊर्जा से शुरू होता है। इसकी शुरुआत उन बलिदानों से होती है जो उन्होंने वॉक पर चलने के लिए किए हैं क्योंकि जब आप बात करते हैं, तो आपको वॉक पर चलना होता है। यही कारण है कि आपके अधीन खेलने वाले अन्य सभी खिलाड़ी आपका अनुसरण कर रहे हैं, आपको देख रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में बदलाव उसके कारण है।'

प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के मामले में धोनी की बराबरी पर पहुंचे विराट

नई दिल्ली । आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में 77 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ ही विराट ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। कोहली को इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। ये उनका आईपीएल में 17वां खिताब था। ऐसा कर वह सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी पर पहुंच गये। धोनी के नाम भी आईपीएल में 17 प्लेयर ऑफ द मैच खिताब हैं। सबसे अधिकएबी डिविलियर्स को मिले हैं। उनके नाम 25 अवार्ड हैं। वहीं दूसरे नंबर पर क्रिस गेल के नाम 19, डेविड वार्नर के नाम 18 अवार्ड हैं। विराट अब शेन वॉटसन और युसूफ पठान (16 बार) से भी आगे निकल गए हैं। पंजाब पर जीत के बाद कोहली ने प्रशंसकों से भी बात की। उन्होंने कहा कि यह हमेशा हमारे साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि आगे जाकर लोग यहां उपलब्धियों, आंकड़ों पर बात करेंगे पर यह हमारे लिए अच्छी यादें होंगी। मुझे जो प्यार, सराहना और समर्थन यहां मिलता है वह अद्भुत है। मैं टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश करता हूं, पर अगर विकेट गिरते हैं तो देखता हूं। यह सामान्य सपाट पिच नहीं थी। निराश हूं कि मैच समाप्त नहीं कर पाया। मुझे कुछ शॉट मारने नहीं दिए गए। मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। कोहली ने यह भी माना कि जब टी20 क्रिकेट की बात आती है तो मेरा नाम अब दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खेल को बढ़ावा देने से जुड़ गया है। मुझे लगता है कि मुझे अभी भी यह मिल गया है। वहीं, दो महीने क्रिकेट से दूर रहने पर उन्होंने कहा कि मेरे लिए, मेरे परिवार के लिए - यह एक अवास्तविक अनुभव था। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर पाकर मैं ईश्वर का इससे अधिक आभारी नहीं हो सकता था।

विराट आईपीएल में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में होली के दिन पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। अब तक ये रिकार्ड पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के नाम था। विराट ने इस मैच में सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का कैच लपकने के साथ ही उन्होंने रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करा लिया। अब विराट भारत की ओर से टी20 में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकार्ड सुरेश रैना के नाम था। वहीं रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर हैं जबकि मनीष पांडे चौथे स्थान पर हैं। विराट के नाम अब भारत की ओर से टी20 में 174 कैच लेने का रिकॉर्ड हो गया है जबकि रैना ने इस प्रारुप में 172 कैच पकड़े थे जबकि रोहित के नाम पर 167 कैच और मनीष पांडे के नाम कुल 146 कैच हैं।

खेल मंत्रालय ने बजरंग पूनिया को वित्तीय सहायता को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय ने पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद पहलवान बजरंग पूनिया के वित्तीय सहायता प्रदान करने के अनुरोध को मंगलवार को मंजूरी दे दी और साथ ही उनके 'कंडीशनिंग कोच' काजी किरण मुस्तफा हसन का कार्यकाल मई के अंत तक बढ़ा दिया।

पूनिया भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे। वह हाल में आयोजित किए गए ट्रायल्स में 65 किग्रा भार वर्ग में शीर्ष चार में जगह बनाने में नाकाम रहे थे। इन ट्रायल्स के आधार पर एशियाई चैंपियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए टीम का चयन किया गया था।

मंत्रालय ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पहलवान बजरंग पूनिया के वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा अपने कंडीशनिंग कोच काजी किरण मुस्तफा हसन का कार्यकाल मई के अंत तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।' मंत्रालय ने हालांकि यह नहीं बताया कि कितनी धनराशि मंजूर की गई है।

पूनिया के अलावा मंत्रालय ने टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला के ओलंपिक से पहले चीनी ताइपे में अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के आग्रह को भी मंजूरी दी। जूडो खिलाड़ी तूलिका मान के तुर्की के अंताल्या में एक प्रतियोगिता में भाग लेने और उसके बाद वहीं पर अभ्यास करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के आग्रह को भी मंजूरी मिल गई है। एमओसी ने टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानव ठक्कर और पायस जैन के लिए प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

स्वियातेक और कोको गॉफ मियामी ओपन से बाहर

मियामी गार्डन्स (अमेरिका) । विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और कोको गॉफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। स्वियातेक को एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने 6-4, 6-2 से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को कैरोलिन गार्सिया ने 6-3, 1-6, 6-2 से हराया। पुरुषों के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज ने गेल मोनफिल्स पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई। अल्कराज का अगला मुकाबला लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने बेन शेल्टन को 6-4, 7-6 (5) से हराया। पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्रिस्टोफर यूबैंक्स को 7-6 (4), 6-3 से और नौवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 7-6 (3), 6-4 से हराया।

हॉकी इंडिया पुरस्कारों में कई वर्गों के पुरस्कार की दौड़ में श्रीजेश, सविता, हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 31 मार्च को दिल्ली में होने वाले अपने सालाना पुरस्कार समारोह के लिए नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा की है। इसमें अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। पूर्व कप्तान श्रीजेश और पूनिया भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं जिससे उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है। साथ ही भारत की पुरुष टीम के कप्तान और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को भी दो वर्गों के पुरस्कारों में नामांकित किया गया है। वह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के साथ वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर पुरस्कार के लिए भी दावेदार होंगे। दोनों वर्गों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए 25-25 लाख रुपये जबकि गोलकीपिंग ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ी को पांच लाख रुपये मिलेंगे।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार आठ वर्गों में कुल 32 खिलाड़ियों को नामांकित किया गया है और पुरस्कारों की कुल राशि 7.56 करोड़ रुपये होगी। हॉकी इंडिया ने कहा कि, हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार में 30 लाख रुपये का सबसे बड़ा नकद पुरस्कार होगा जो वर्षों से खेल में असाधारण योगदान करने वाले खिलाड़ी को दिया जायेगा। अंडर-21 खिलाड़ियों के लिए वर्ष के उभरते हुए पुरुष खिलाड़ी के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार और वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दिया जायेगा जिसमें प्रत्येक को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड के लिए धनराज पिल्लै पुरस्कार की पुरस्कार राशि पांच लाख रुपये होगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की ने कहा कि, हाल के दिनों में पुरुष और महिला दोनों टीम के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए नामांकित खिलाड़ियों का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण काम था। महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि, ये पुरस्कार समर्पण, प्रतिभा और जुनून के प्रमाण के तौर पर काम करते हैं जो हमारे एथलीट, कोच, अंपायर और अधिकारी मैच के दिन मैदान पर दिखाते हैं।

हार से निराश धवन बोले, विराट के कारण हारे

बेंगलुरु। पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ जीत के करीब पहुंचकर भी टीम को मिली हार पर निराशा जतायी है। धवन के अनुसार इस मैच में विराट कोहली का कैच छोड़ने के कारण उनकी टीम के हाथों से मैच निकल गया। धवन के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 10 से 15 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता पर सबसे अधिक प्रभाव विराट के कैच गिरने से पड़ा। विराट ने इस मैच में आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। धवन ने इस मैच में 45 रन और उनकी टीम पंजाब ने 20 ओवरों में छह विकेट पर 176 रन बनाये। आरसीबी ने विराट की 77 रनों की पारी से मैच अपने नाम कर लिया। धवन अपने खिलाड़ियों के प्रयास से तो खुश थे पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोहली का कैच छोड़ने से नुकसान हुआ। धवन ने कहा, पहले छह ओवरों का हम लाभ नहीं उठा पाये। हमें कोहली को बाहर करने की कीमत चुकानी पड़ी। हमने वहां लय खो दी, यह महत्वपूर्ण था। यह एक अच्छा विकेट लग रहा था पर हम हासिल नहीं कर पाये। धवन ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे वह खुश थे लेकिन उन्हें लगा कि वह पावर-प्ले में थोड़ा तेज खेल सकते थे। धवन ने कहा, मैं अपने रनों से खुश था लेकिन मुझे लगता है कि पहले छह ओवर में और तेज खेला जा सकता था। हमने दो विकेट खो दिए जिससे दबाव भी पड़ा। हमने सोचा कि वह स्कोर बराबर था। पंजाब किंग्स के कप्तान को लगा कि वे थोड़ी बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। उन्होंने कहा, मैच आखिरी ओवर तक चला, अंत में हम बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे।

आगामी पेरिस ओलंपिक में सात्विक-चिराग और सिंधु से भारत को रहेगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत को बैडमिंटन में पदक मिलने की उम्मीदे हैं। युगल में जहां सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी। वहीं महिला एकल में पी वी सिंधु पदक की प्रबल दावेदार हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए सिंधु ने भारतीय महिला टीम को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जिताया था। वहीं सात्विक और चिराग का सफर भी बेहतरीन रहा है। इस जोड़ी ने 2023 चीन ओपन और मलेशिया ओपन सुपर 1000 तथा इंडिया ओपन सुपर 750 में लगातार खिताब जीते थे। जिससे वह इस सत्र में दुनिया की नंबर एक युगल जोड़ी बन गये।सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी अभी विश्व में नंबर एक जोड़ी है। ऐसे में वह पदक जीतने की प्रबल दावेदार होगी। वहीं दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु भी लय में आ रही हैं और वह फिर से पेरिस में पदक दिला सकती हैं।

भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद भी काफी उत्साहित हैं। उनका कहन है कि भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक में अधिक से अधिक पदक जीत सकती है। वहीं कुल पदकों की संभावना के बारे में पूछने पर गोपीचंद ने कहा, ''हर कोई बड़ी संख्या का अंदाजा लगा रहा है पर मैं संख्या नहीं बता सकता, लेकिन मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से पिछली बार से ज्यादा होगी।'' गोपीचंद के अनुसार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती है। इस जोड़ी के अलावा पीवी सिंधु भी पदक जीतने की प्रबल दावेदार हैं।

चोट के बाद वापसी करते हुए सिंधु ने भारतीय महिला टीम को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जिताया था। वहीं सात्विक और चिराग का सफर भी बेहतरीन रहा है। इस जोड़ी ने 2023 चीन ओपन और मलेशिया ओपन सुपर 1000 तथा इंडिया ओपन सुपर 750 में लगातार खिताब जीते थे। जिससे वह इस सत्र में दुनिया की नंबर एक युगल जोड़ी बन गये।गोपीचंद ने कहा, ''यह कहना सही होगा कि दुनिया के नंबर एक जोड़ी के तौर पर वे निश्चित रूप से शीर्ष स्तर पर जीतने के दावेदार हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनकी जोड़ी मजबूत है और जब भी वे कोर्ट पर कदम रखते हैं तो वे प्रबल दावेदार होते हैं। आज अगर मुझे सभी देशों में खेलों में किसी भी एक प्रबल दावेदार जोड़ी को चुनना हो तो वह सात्विक और चिराग की जोड़ी होगी।''

आईपीएल के बाद एमएलसी लीग में कोचिंग करते नजर आयेंगे पोंटिंग

सिडनी । अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का दूसरा सत्र जुलाई में छह टीमों के बीच खेला जाएगा। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को ग्रेग शेफर्ड की जगह कोच बनाया गया है। पोंटिंग को एमएलसी फ्रेंचाइजी वाशिंगटन फ्रीडम का मुख्य कोच बनाया गया है। पोंटिंग अभी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स में मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने भारतीय मूल के अमेरिकी व्यवसायी संजय गोविल के स्वामित्व वाली वाशिंगटन फ्रीडम के साथ दो साल का अनुबंध किया है। पोंटिंग इस फ्रेंचाइजी में ग्रेग शेफर्ड की जगह कोच बनाये गये हैं। इस टी20 लीग का दूसरा सत्र जुलाई में छह टीमों के बीच खेला जाएगा खेला जायेगा।

बैंकाक में 45 वें इंटरनेशनल ऑटो शो में पेश की गयी जिकर इवी कारें।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

- सोना 66 हजार, चांदी 74,700 के करीब

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह की शुरुआत में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मंगलवार को सोने के वायदा भाव गिरकर 66 हजार रूपये से नीचे आ गए। चांदी के वायदा भाव भी गिरकर 74,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में भी आज सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 73 रुपये की गिरावट के साथ 65,949 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 117 रुपये की गिरावट के साथ 65,905 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 94 रुपये की गिरावट के साथ 74,829 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 212 रुपये की गिरावट के साथ 74,711 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,173 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,176.40 डॉलर था।` फिलहाल यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,171 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.84 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.89 डॉलर था। फिलहाल यह 0.10 डॉलर की गिरावट के साथ 24.78 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जीडीपी मामले में जर्मनी, ब्रिटेन जैसे देशों से आगे है भारत!

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी (पीपीपी) रैंकिंग में जर्मनी, जापान और यूके जैसे देशों में गिरावट लगातार जारी है। वहीं रिपोर्ट की मानें तो भारत ने जीडीपी (पीपीपी) में इन सालों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। जीडीपी (पीपीपी) का मतलब है खरीद की क्षमता पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद। दिल्ली स्थित सोशल पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन (एसपीआरएफ) एक गैर-लाभकारी संस्था है। उसके शोध के अनुसार 2024 तक पीपीपी के आधार पर मूल्यांकन किया जाए तो भारतीय अर्थव्यवस्था यूके की तुलना में 3.6 गुना, जापान की तुलना में 2.1 गुना और जर्मनी की तुलना में 2.5 गुना ज्यादा है। जबकि 2022 तक चीन इसके शीर्ष रैंकिंग वाले देश के रूप में उभरा था। रिपोर्ट में कहा गया है पीपीपी पर वैश्विक जीडीपी के प्रतिशत को देखा जाए तो इसके अनुसार भारतीय जीडीपी (पीपीपी) की हिस्सेदारी काफी बढ़ी है, जबकि इस दौरान अमेरिका, जापान, रूस और अन्य देशों की हिस्सेदारी घटी है। पीपीपी दो या दो से अधिक देशों में समान वस्तुओं और सेवाओं की कीमत को समझने और उसकी तुलना करने का माध्यम है। रिपोर्ट के अनुसार देश में उच्च पीपीपी का मतलब है कि भारतीय उपभोक्ता के लिए भारत के अंदर आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर जो खर्च हो रहा है वह जापान, जर्मनी या यूके के उपभोक्ताओं की तुलना में सस्ता है। भारत की अर्थव्यवस्था में तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर 2023 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो आश्चर्यचकित करने वाली है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के नवीनतम आंकड़ों की मानें तो वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए देश की आर्थिक विकास दर अब 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

ईपीएफओ ने जनवरी में श्रम बाजार में मंदी का अनुभव किया

जनवरी महीने के दौरान कम नई नौकरियां पैदा हुईं

नई दिल्ली ।

सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने जनवरी में औपचारिक श्रम बाजार में मंदी का अनुभव किया। जनवरी महीने के दौरान कम नई नौकरियां पैदा हुईं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा जारी किए गए नवीनतम पेरोल डेटा के मुताबिक जनवरी 2024 में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के तहत नए मासिक ग्राहकों की संख्या दिसंबर 2023 के 840,584 की तुलना में लगभग 4 प्रतिशत घटकर 807,865 हो गई। पिछले साल जनवरी में 8,30,047 ग्राहक ईपीएफ से जुड़े थे। जनवरी में कुल 8,07,865 नए ईपीएफ ग्राहकों में से 18-28 आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी भी जनवरी में थोड़ी कम होकर 66.4 प्रतिशत (536,442) हो गई, जो पिछले महीने में 67.17 प्रतिशत (564,630) थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के ग्राहक आमतौर पर श्रम बाजार में पहली बार आते हैं, जो इसकी मजबूती को दर्शाता है। इस बीच कुल नए ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी पिछले महीने के 24.8 प्रतिशत (208,685) की तुलना में महीने के दौरान थोड़ा बढ़कर 25.32 प्रतिशत (204,569) हो गई। वहीं दूसरी तरफ, शुद्ध पेरोल परिवर्धन जनवरी में 2.5 प्रतिशत बढ़कर 1.6 मिलियन हो गई। पिछले साल दिसंबर में यह 1.56 मिलियन थी। हालांकि, शुद्ध मासिक पेरोल संख्याएं अनंतिम हैं और उन्हें अक्सर अगले महीने तेजी से संशोधित किया जाता है। यही कारण है कि नए ईपीएफ ग्राहकों के आंकड़े में शुद्ध वृद्धि की तुलना में अधिक विश्वसनीयता है। पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 12.17 लाख सदस्य जो ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर निकल गए थे, वे फिर से शामिल हो गए। इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदल ली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए। इन्होंने अपने कोष को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट र्ज की गयी। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर मिलेजुले रुख संकेतों के बीच ही बिकवाली ावी रहने से आई है। विदेशी निवेशकों की गातार निकासी से भी भारतीय बाजार पर ाव पड़ा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और चडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से भी ाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के ाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 61.64 अंक करीब 0.50 फीसदी टूटकर '2,470.30 पर बंद हुआ।वहीं इसी तरह ाशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 92.05 ंक तकरीबन 0.42 फीसदी टूटकर 22,004.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड, भारती एयरटेल, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक गिरे। बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का टोक्यो नीचे आया जबकि सियोल और चीन का शंघाई और हांगकांग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाज़ार अधिकतर लाभ में रहे। वहीं अमेरिका का वॉल स्ट्रीट नीचे आया है। वहीं इससे पहले सोमवार को होली के अवसर पर भारतीय शेयर बाजार बंद रहे थे।

वहीं आज सुबह विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोर रुख के बीच ही सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह बाजार खुलने के साथ ही 468.91 अंक गिरकर 72,363.03 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी-50 149.2 अंक गिरकर 21,947.55 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड, मारुति, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक और टाटा मोटर्स लाभ पाने वालों में से थे।

रुपया 29 पैसे बढ़कर 83.32 प्रति डॉलर

मुंबई । रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 29 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.32 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.33 प्रति डॉलर पर खुला और फिर चढ़कर 83.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर के मुकाबले 29 पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 48 पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। होली के अवसर पर सोमवार को बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.79 पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी रेटिंग्स एजेंसी ने बढ़ाया भारत का ग्रोथ रेट का अनुमान

मुंबई ।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया। अमेरिका स्थित एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में मजबूत घरेलू गति के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि 6.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। एसएंडपी ने कहा, एशियाई उभरती बाजार (ईएम) अर्थव्यवस्थाओं के लिए हम आम तौर पर मजबूत वृद्धि का अनुमान देख रहे हैं, इसमें भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम अग्रणी हैं। एजेंसी के अनुसार, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़े पैमाने पर घरेलू मांग-आधारित अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खर्च करने की क्षमता पर उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के प्रभाव ने दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कम किया है।

भारती हेक्सकॉम का आईपीओ अगले महीने आएगा

- कंपनी ने आईपीओ के लिए 542-570 प्रति शेयर मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली। दूरसंचार परिचालक भारती एयरटेल की अनुषंगी कंपनी भारती हेक्साकॉम ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 542-570 रुपये प्रति शेयर मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि आईपीओ तीन से पांच अप्रैल को खुलेगा। एंकर निवेशक दो अप्रैल को बोली लगा पाएंगे। यह नए वित्त वर्ष 2024-25 का पहला आईपीओ होगा। आईपीओ पूरी तरह 7.5 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। यह मौजूदा शेयरधारक टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। हालांकि ओएफएस के आकार को पहले के 10 करोड़ शेयरों से घटाया गया है। चूंकि आईपीओ एक ओएफएस पर आधारित है, इसलिए निर्गम से मिली राशि शेयरधारकों के पास जाएगी। कंपनी को इसमें से कोई राशि नहीं मिलेगी। भारती हेक्साकॉम को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से 11 मार्च को निष्कर्ष पत्र मिल गया है। आईपीओ लाने के लिए सेबी का निष्कर्ष पत्र जरूरी होता है। भारती हेक्साकॉम में प्रवर्तक भारती एयरटेल की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष 30 प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक क्षेत्र की टेलीकॉम कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के पास है। भारती हेक्साकॉम एक संचार समाधान प्रदाता है, जो देश में राजस्थान और उत्तर-पूर्व दूरसंचार सर्किल में ग्राहकों को उपभोक्ता मोबाइल सेवाएं, टेलीफोन और ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करती है।

व्हाट्सएप पर अब पिन कर सकेंगे कई मैसेज

- व्हाट्सएप का यह फीचर पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों में उपलब्ध है

नई दिल्ली ।

व्हाट्सएप ने हाल ही में अपने मैसेज पिनिंग फीचर को अपग्रेड किया है। अब यूजर्स एक चैट में तीन मैसेज को पिन कर सकते हैं। पिछले सप्ताह ऐप के बीटा वर्जन में इस फीचर को स्पॉट किया गया। मेटा के स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म पहले यूजर्स को केवल एक मैसेज पिन करने की अनुमति देता था। टैक्स मैसेजों के अलावा मेटा ने कंफर्म किया है कि यूजर्स अब मीडिया, वॉयस नोट्स और इमोजी को पिन कर सकते हैं। व्हाट्सएप का यह फीचर पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों में उपलब्ध है। व्हाट्सएप ने यूजर्स को समय अवधि भी चुनने का विकल्प दिया है। यूजर्स यह तय कर सकते हैं कि मैसेज कितने समय तक पिन रहेगा। इसके लिए व्हाट्सएप की तरफ से डिफॉल्ट अवधि सात दिन निर्धारित की गई है। विकल्पों में किसी मैसेज को 24 घंटे, 7 दिन या 30 दिन के लिए पिन किया जा सकता है। व्हाट्सएप पर चैट के भीतर एक मैसेज को पिन करने के लिए, एंड्रॉइड उपयोगकर्ता बस वांछित मैसेज पर लंबे समय तक प्रेस कर सकते हैं और फिर स्क्रीन के ऊपरी दाएं कोने पर स्थित थ्री-डॉट वाले मेनू पर टैप कर सकते हैं। वहां से वे पिन का चयन कर सकते हैं और मैसेज को चैट के टॉप पर व्यक्ति या ग्रुप के नाम के नीचे पिन किया जाएगा। जब एक चैट के भीतर कई मैसेज को पिन किया जाता है, तो एक बैनर लेटेस्ट मैसेज के प्रीव्यू के साथ पिन किए गए मैसेजों की संख्या को दिखाता है। इस बैनर पर क्लिक करने से सभी पिन किए गए मैसेज सामने आ जाते हैं, जिससे यूजर्स अपने पसंदीदा मैसेज पर नेविगेट कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यूजर्स 24 घंटे, 7 दिन या 30 दिन के बीच चयन करके वह अवधि निर्दिष्ट कर सकते हैं जिसके लिए कोई मैसेज पिन किया जाता है। आईओएस यूजर्स किसी मैसेज को टैप करके रख सकते हैं, मॉर ऑप्शन पर क्लिक करें, फिर पिन पर क्लिक करें और अंत में पिन अवधि का चयन करें। वेब और डेस्कटॉप ऐप के लिए यूजर्स को मैसेज के बगल में नीचे की ओर तीर बटन पर क्लिक करना है, इसके बाद वह मैसेज चुनें जिसे पिन करना है।

अब पिन अवधि का चयन करना है और पिनिंग एक्शन को कंफर्म करना है।

एसपी समूह ने गोपालपुर बंदरगाह अडाणी पोर्ट्स को बेचा

नई दिल्ली। शापूरजी पल्लोनजी समूह ने ब्राउनफील्ड गोपालपुर बंदरगाह को अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 3,350 करोड़ रुपये पर बेचने की मंगलवार को घोषणा की। ओडिशा में निर्माणाधीन गोपालपुर बंदरगाह को एसपी समूह ने 2017 में खरीदा था। वर्तमान में यह 20 एमटीपीए संभालने में सक्षम है। समूह ने एक बयान में कहा कि बंदरगाह ने हाल ही में ग्रीनफील्ड एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल स्थापित करने के लिए पेट्रोनेट एलएनजी के साथ अनुबंध किया है। गोपालपुर बंदरगाह की बिक्री पिछले कुछ महीनों में एसपी समूह का दूसरा बंदरगाह विनिवेश है। शापूरजी पल्लोनजी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि महत्वपूर्ण उद्यम मूल्य पर गोपालपुर बंदरगाह और धरमतार बंदरगाह का नियोजित विनिवेश हमारे समूह की परिसंपत्तियों को बदलने और अपेक्षाकृत कम समय में हितधारक मूल्य बनाने की क्षमता को दर्शाता है। एसपी समूह अपने कर्ज को कम करने के लिए कई कदमों पर विचार कर रहा है। समूह पर करीब 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज होने की अटकलें हैं।

भारत ने चीन से एल्युमीनियम फॉयल आयात की डंपिंग रोधी जांच की शुरू

नई दिल्ली । भारत ने खाद्य उत्पादों की पैकेजिंग के लिए उपयोग होने वाले एल्युमीनियम फॉयल के चीन से आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) एल्यूमीनियम फॉयल की कथित डंपिंग की जांच कर रहा है। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्याम सेल एंड पावर लिमिटेड, श्री वेंकटेश्वर इलेक्ट्रोकास्ट, रवि राज फॉयल्स, जीएलएस फॉयल्स प्रोडक्ट और एलएसकेबी एल्युमीनियम फॉयल्स ने जांच की मांग करते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन दायर किया था। उन्होंने चीन से उत्पाद की डंपिंग का आरोप लगाया है। निदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि आवेदकों ने आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुए नुकसान के संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। अधिसूचना के अनुसार इसलिए प्राधिकरण कथित डंपिंग और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की डंपिंग रोधी जांच शुरू करता है। डंपिंग से घरेलू कंपनियों को नुकसान होने की पुष्टि पर डीजीटीआर आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। शुल्क लगाने का अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा लिया जाता है। सस्ते आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है या नहीं यह निर्धारित करने के लिए किसी देश द्वारा डंपिंग रोधी जांच की जाती है।

विप्रो जीई हेल्थकेयर भारत में पांच वर्षों में 8,000 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

विप्रो जीई हेल्थकेयर ने स्थानीय विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) का विस्तार करने के लिए अगले पांच सालों में भारत में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है। अग्रणी वैश्विक मेडटेक (चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी), फार्मास्युटिकल डायग्नोस्टिक्स और डिजिटल समाधान प्रदाता कंपनी ने कहा कि निवेश के एक हिस्से के रूप में इसका मेड इन इंडिया कोईटी सीटी डिस्कवरी आईक्यू स्कैनर 15 देशों में निर्यात किया जाएगा। बयान के अनुसार इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर उत्पादित रेवोल्यूशन एस्पायर सीटी, रेवोल्यूशन एसीटी और एमआर ब्रेस्ट कॉइल्स का निर्माण दुनियाभर के लिए भारत में किया जाएगा। विप्रो जीई हेल्थकेयर के चेयरमैन अजीम प्रेमजी ने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा उद्योग में पुनरुत्थान के मार्ग पर है और मेडटेक क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा` कि मेक इन इंडिया (भारत निर्मित) के साथ हम देश के विनिर्माण क्षेत्र का तेजी से विस्तार देख रहे हैं, जिससे दुनिया के मेडटेक (चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी) हब के रूप में भारत की क्षमता मजबूत हो रही है। प्रेमजी ने कहा` कि विप्रो जीई हेल्थकेयर तीन दशकों से अधिक समय से इस स्थानीयकरण यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है और यह रणनीतिक निवेश इस क्षेत्र के लिए हमारे दृष्टिकोण का प्रमाण है। जीई हेल्थकेयर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर जीई हेल्थकेयर के लिए भारत एक उच्च क्षमता वाला, उच्च प्राथमिकता वाला बाजार है। विप्रो जीई हेल्थकेयर के वर्तमान में बेंगलुरु में चार विनिर्माण संयंत्र हैं।

एसआरएम का आईपीओ खुला, 28 को होगा बंद

नई दिल्ली । सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर से जुड़ी कंपनी एसआरएम कॉन्ट्रैक्टर्स का आईपीओ मंगलवार 26 मार्च को खुल गया है। 31 मार्च, 2022 और 31 मार्च, 2023 के बीच, कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 6.71 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि रेवेन्यू में 13.24 प्रतिशत का इजाफा हुआ। कंपनी का आईपीओ मंगलवार 26 मार्च को खुलने के बाद गुरुवार 28 मार्च को बंद होगा। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 10 रुपये के फेस वैल्यू पर प्रति इक्विटी शेयर 200 से 210 रुपये की सीमा में तय किया गया है। कंपनी के आईपीओ में प्रत्येक लॉट में 70 इक्विटी शेयर हैं। यानी कि शेयरों के लिए न्यूनतम बोली 70 शेयर या गुणकों के लिए लगाई जा सकती है। इस बीच कंपनी ने शुक्रवार, 22 मार्च को तीन एंकर निवेशकों से 39 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के आईपीओ में कुल मिलाकर 130.20 करोड़ तक के 62,00,000 इक्विटी शेयरों का ताज़ा इश्यू शामिल है। बिक्री के लिए कोई ओएफएस नहीं है।

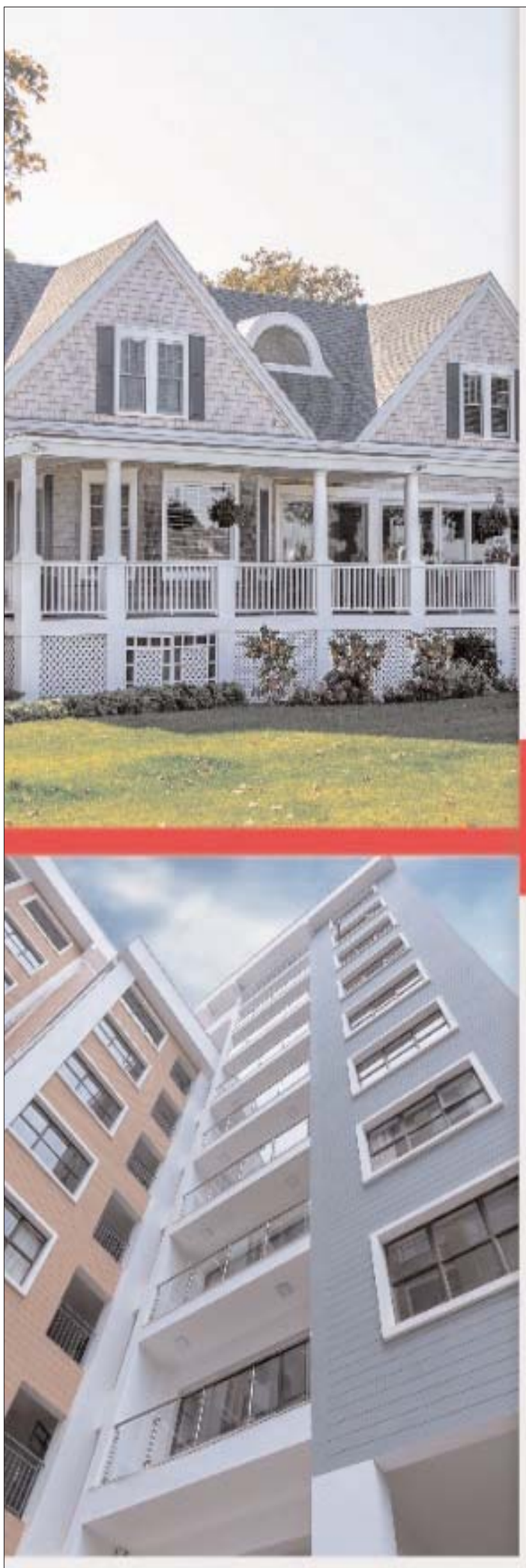

propre

Luxury Real Estate

For Buying & Selling

Properties | Residential & Commercial Sites |
Villas | Apartments & Plots |
Farmhouse | Agriculture Land

+91 98715 77057 | 99995 11233

Email: info@propre.in
Web: www.propre.in
Location: Jewer Airport and Greater Noida

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in